डाक पंजी- SDL-0019/2025 RNI-MPHIN/2008/24599

फ़तवा

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ का लोकप्रिय समाचार पत्र

आपका विश्वास

सुविचार

माना कि बुरा वक्त बताकर नहीं आता, लेकिन जब भी आता है,कुछ ना कुछ सिखा कर जरूर जाता है !

पेज-2

पेज-3

पेज-5

संक्षिप्त समाचार

एक दिन में वंदे भारत ट्रेन का दो बार एक्सीडेंट

भोपाल नप्र। भोपाल से चलने वाली हाई स्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस का, निजामुद्दीन जाते समय और निजामुद्दीन से आते समय एक्सीडेंट हुआ। एक ही दिन में दो बार एक्सीडेंट होना आश्चर्यजनक है। वंदे भारत एक्सप्रेस सोमवार को सुबह निजामुद्दीन के लिए रवाना हुई। दतिया- सोनागिर के बीच में ट्रेन की चपेट में एक गाय आ गई। इससे ट्रेन का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। जिसके कारण लगभग 22 मिनट तक झांसी निजामुद्दीन के बीच का रेल यातायात प्रभावित हुआ। घटना सुबह 9 बजकर 36 मिनिट की बताई जा रही है। एक्सीडेंट के बाद गाय को बाहर निकाला गया। सामने का लोकोहुड तार से बांधकर वंदे भारत एक्सप्रेस को रवाना किया गया। निजामुद्दीन से भोपाल आते समय सोमवार की शाम 5.25 पर यही ट्रेन सिकरौदा-मुरैना के बीच जानवर से टकरा गई। लगभग 4 मिनट तक यह ट्रेन एक्सीडेंट स्थल पर खड़ी रही। इसके बाद रेल कर्मचारियों ने इस ट्रेन को ग्वालियर के लिए रवाना किया।

फाइनल से एक दिन पहले रोहित शर्मा चोटिल प्रैक्टिस के दौरान चोट

लंदन एजेंसी। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल से ठीक एक दिन पहले टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा को चोट लगने की खबर है। जानकारी के मुताबिक, नेट प्रैक्टिस करते वक्त रोहित को बाएं अंगूठे में चोट लगी। इसके बाद वे प्रैक्टिस के लिए नहीं गए। हालांकि चोट ज्यादा गंभीर नहीं है। मैच से पहले रोहित शर्मा ने कहा कि मैं गेम और चैंपियनशिप जीतना चाहता हूं। आप इसीलिए खेलते हैं। हालांकि रोहित ने इस दौरान अपनी चोट को लेकर कोई बात नहीं की। डब्ल्यूटीसी का फाइनल 7 जून से इंडिया और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जाना है। ये मुकाबला इंग्लैंड के ओवल मैदान पर होगा। रोहित शर्मा इससे पहले टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान भी चोटिल हुए थे। यह चोट भी 8 नवंबर 2022 को नेट्स के दौरान लगी थी।

कूनो नेशनल पार्क में ही रहेंगे चीते : केंद्रीय मंत्री

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का महत्वाकांक्षी चीता प्रोजेक्ट फिलहाल कूनो नेशनल पार्क में ही रहेगा। वन विभाग पहले चरण में चीता प्रोजेक्ट को कूनो में ही डेवलप करेगा। इसके बाद ऑप्शनल व्यवस्था के लिए दूसरे राष्ट्रीय उद्यानों में इसकी शुरुआत होगी। केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने मंगलवार को कहा, देश में सबसे पहले कूनो में चीता प्रोजेक्ट शुरू किया गया। प्रथम चरण में इस प्रोजेक्ट का संतोषजनक रिजल्ट मिलने तक यहीं इसे डेवलप किया जाएगा। इसके बाद आवश्यकता पड़ने पर वैकल्पिक व्यवस्था के लिए दूसरी जगह दूसरे चरण में यह प्रोजेक्ट शुरू किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री यादव ने मंगलवार को कूनो नेशनल पार्क का दौरा किया। यहां अधिकारियों के साथ बैठक में उन्होंने चीता प्रोजेक्ट की समीक्षा भी की। यादव ने कहा, %हमारी टीम लगातार मॉनिटरिंग कर रही हैं। प्रोजेक्ट यहां शुरू हुआ है तो सबसे पहले इसे सफल यहीं बनाया जाएगा। उनके इस बयान से स्पष्ट हो गया है कि आने वाले कुछ महीनों तक चीते कूनो से देश के दूसरे किसी राष्ट्रीय उद्यान में शिफ्ट नहीं किए जाएंगे। हालांकि, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से जब चीतों की मौत को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने चुप्पी साध ली और वहां से चले गए। पहली खेप में नामीबिया से 8 चीतों को कूनो नेशनल पार्क लाया गया था। 17 सितंबर 2022 को अपने जन्मदिन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन्हें बाड़े में रिलीज किया था। इसके बाद 18 फरवरी 2023 को दक्षिण अफ्रीका से 12 और चीते कूनो लाए गए थे। नामीबिया से लाई गई मादा चीता ज्वाला ने 4 शावकों को जन्म दिया था। पहले 3 चीतों और फिर एक-एक कर 3 शावकों की मौत हो गई। अब कूनो में 18 चीते ही रह गए हैं।

मणिपुर में सर्च ऑपरेशन के दौरान फायरिंग, बीएसएफ जवान शहीद असम राइफल्स के 2 जवान घायल

इंफाल नप्र। मणिपुर में सोमवार को हुई हिंसा में घायल एक BSF जवान रंजीत यादव की मंगलवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। सेना के स्पीयर कोर ने बताया कि 5 जून को सर्च ऑपरेशन के दौरान स्थानीय लोगों और जवानों के बीच गोलीबारी हुई थी, जिसमें BSF जवान घायल हो गया था। असम राइफल्स के भी दो जवानों को गोली लगी है। इन्हें एयरलिफ्ट कर मंत्रीपुखरी ले जाया गया। इस बीच सरकार ने राज्य में इंटरनेट बंद को 10 जून तक बढ़ा दिया है। मणिपुर में इंटरनेट सर्विस तीन मई को बंद की गई थी। राज्य में कुकी और मैतेई समुदाय के बीच 3 मई से जातीय हिंसा चल रही है। हिंसा में अब तक 98 लोगों की मौत हो चुकी है, 310 घायल हैं। वहीं, 37 हजार से ज्यादा लोग राहत शिविर में भेजे गए हैं। हिंसा से 11 जिले प्रभावित हुए हैं। कई जिलों में कर्फ्यू भी लगाया गया है।

बालाघाट जिले के मलाजखंड में लाड़ली बहना महासम्मेलन में हुए शामिल सीएम, बोले-

मेरी ज़िंदगी का उद्देश्य महिलाओं की प्रगति, उन्नति और सशक्तिकरण

- शासकीय योजनाओं से प्रदेश की धरती पर बढ़ा महिलाओं का मान-समान लाड़ली बहना योजना से मिलेगा बहनों को समान और संबल
- मुझे गर्व है अपनी 44 लाख से ज़्यादा लाड़ली लक्ष्मियों पर
- 207 करोड़ से अधिक के कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास
- हितलाभ के साथ बाँटे आवासीय भू-अधिकार पत्र

भोपाल नप्र। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में महिला सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। महिलाओं की ज़िंदगी बदल कर उनके चेहरे पर मुस्कान लाना मेरी ज़िंदगी का मक़सद है। मुख्यमंत्री चौहान आज बालाघाट जिले के मलाजखंड में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना सम्मेलन में शामिल हुए और 207 करोड़ रूपये के विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री का जनजातीय वर्ग द्वारा पारंपरिक रूप नृत्य एवं वाद्य यंत्र के साथ स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में कोई भी बहन मजबूर नहीं रहेगी उन्हें मजबूत बनायेंगे। मैं अपनी बहनों की आँखों में आँसू नहीं आने दूँगा। उन्होंने कहा कि पूर्व के दशकों में बेटी का जन्म होने पर माता-पिता के चेहरे पर मायूसी दिख जाती थी। साथ ही बेटी की परवरिश, पढ़ाई और विवाह की चिन्ता सताने लगती थी। गरीब वर्ग की इस व्यथा को दूर करने प्रदेश में लाड़ली लक्ष्मी योजना शुरू की गई। महिला सशक्तिकरण के लिए प्रारंभ की गई योजनाओं और कार्यक्रमों से जहाँ बेटियों के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण बदला है, वहीं प्रदेश के लिंगानुपात में वृद्धि भी हुई है। बालाघाट प्रदेश के उन ज़िलों में शामिल है जहाँ लिंगानुपात बहुत अच्छा है। यहाँ बेटा और बेटी को एक समान नज़रिए से देखा जाता है। आज मुझे बहनों से मिले प्रेम और स्नेह से काफ़ी ख़ुशी हो रही है। बेटी की हर एक साँस माता-पिता के लिए होती है वह इन्हें कभी नहीं भूल सकती। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि मैं आज ख़ुशी से कहता हूँ कि 44 लाख से भी अधिक लाड़ली लक्ष्मी मेरी बेटियाँ है, बेटी बोझ नहीं वरदान है। उन्होंने कहा कि संपत्तियों की रजिस्ट्री अब महिलाओं के नाम पर हो रही हैं। सरकार ने यह फ़ैसला लिया था की स्थानीय निर्वाचन में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जाये। इसका असर यह हुआ है कि अब महिलाएँ पंच, सरपंच, पार्षद, जनपद, ज़िला पंचायत अध्यक्ष और सदस्यों के पद पर हैं ।

ढाई साल की प्रियंका के बोनमेरो की बीमारी का इलाज कराएंगे

मुख्यमंत्री चौहान को लाड़ली बहना किरण मुकुटधारी ने बताया कि उसकी ढाई साल की बेटी प्रियंका के बोनमेरो का इलाज कराने में परिवार सक्षम नहीं हैं। इस पर मुख्यमंत्री चौहान ने किरण को आश्वस्त किया कि चिंता न करें, बेटी प्रियंका का इलाज राज्य सरकार करायेगी। उन्होंने नन्ही बालिका प्रियंका को गोद में लेकर स्नेह और आशीर्वाद दिया।

नगरीय क्षेत्र मलांजखण्ड के 44 लोगों को वन-अधिकार पट्टा वितरित किये

मुख्यमंत्री चौहान ने बालाघाट जिले के मलांजखण्ड में 44 हितग्राहियों को वन-अधिकार पट्टे वितरित किये। ये हितग्राही 31 दिसम्बर 2005 के पहले से निवासरत थे, लेकिन इन्हें जमीन का मालिकाना हक नहीं था। इन लोगों को आज वन-अधिकार पट्टा देकर एक तरह से उन्हें आवासीय भूमि का मालिक बना दिया गया है। वन-अधिकार पट्टा मिलने से सभी हितग्राही खुश नजर आये। वन अधिकार पट्टा प्राप्त करने वालों में वार्ड 5 के 11 एवं वार्ड 20 के 33 जनजातीय वर्ग के हितग्राही शामिल हैं। मुख्यमंत्री चौहान ने मलांजखण्ड के वार्ड क्रमांक 7 पौनी में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की हितग्राही

यूक्रेन का सबसे बड़ा बांध काखोवका तबाह, बाढ़ में 80 गांव डूबने का खतरा

मास्को एजेंसी। रूस के साथ जंग के बीच मंगलवार को यूक्रेन का सबसे बड़ा डैम काखोवका तबाह हो गया। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक डैम का पानी जंग के मैदान तक पहुंच गया। बाढ़ के डर से आस-पास के गांव खाली कराए जा रहे हैं। खरसोन इलाके को भी अलर्ट पर रखा गया है। रूसी न्यूज एजेंसी के मुताबिक 80 गांवों में बाढ़ का खतरा है। इन गांवों के लिए अगले 5 घंटे काफी अहम बताए जा रहे हैं। उत्तरी यूक्रेन में नाइपर नदी पर बना काखोवका डैम रूस के कब्जे वाले इलाके में है। रूसी सेना ने यूक्रेन के हमले में इसके तबाह होने की बात कही है। इधर, यूक्रेन के उत्तरी कमांड के सैन्य अधिकारियों ने मंगलवार को कहा कि डैम पर रूस ने हमला किया है। बांध टूटने से तबाही की आशंका को देखते हुए राष्ट्रपति वोल्दोमिर जेलेंस्की ने भी इमरजेंसी बैठक बुलाई है। नाइपर नदी पर बना काखोवका डैम 30 मीटर लंबा है और 3.2 किमी इलाके में फैला हुआ है। इसे सोवियत शासन के दौरान 1956 में बनाया गया था। इस डैम से ही क्रीमिया और जपोरीजिया न्यूक्लियर प्लांट में पानी पहुंचाया जाता है। नोवा काखोवका के मेयर वोलोदिमिर कोवालेंको ने कहा है कि इलाके में पानी का स्तर काफी तेज से बढ़ रहा है।

रूस और यूक्रेन ने एक-दूसरे पर लगाए हमले के आरोप

लापरवाही के लिए अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज

बालासोर। रेल दुर्घटना मामले में रेलवे के बड़े अधिकारियों के खिलाफ आज ओडिशा पुलिस के पास एफआईआर दर्ज कराई गई है। बालासोर निवासी पापू कुमार नाइक ने रेलवे अधिकारियों पर आपराधिक लापरवाही का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि अधिकारियों की लापरवाही के कारण यह दुर्घटना हुई है। भारतीय दंड सहिंता (एफआईआर) की संबंधित धाराओं के साथ ही रेल अधिनियम की धारा 153, 154 और 175 के तहत अज्ञात व्यक्तियों की भी इस मामले में जांच की जाएगी। प्राथमिकी के सार में कहा गया है कि फिलहाल रेलवे कर्मचारियों की संलिप्तता का पता नहीं चला है लेकिन जांच में यह सामने आएगा।

एअर इंडिया के विमान की रूस में इमरजेंसी लैंडिंग, क्रू सहित 232 पैसेंजर सुरक्षित

नई दिल्ली एजेंसी। दिल्ली से अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को जा रहे एअर इंडिया के विमान की मंगलवार को रूस के मगदान में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। एअर इंडिया ने कहा- विमान के इंजन में अचानक आई खराबी की वजह से उसे मगदान की ओर डायवर्ट करना पड़ा।

एयरलाइन कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि 6 जून को एअर इंडिया की फ्लाइट AI-173 ने दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को के लिए उड़ान भरी थी। इंजन में तकनीकी खराबी के बाद उसे डायवर्ट करना पड़ा और रूस के मगदान एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंड करवा लिया गया। एअर इंडिया के मुताबिक फ्लाइट में 216 पैसेंजर और 16 क्रू मेंबर्स समेत 232 लोग सवार थे, जो सुरक्षित हैं। पैसेंजर्स को सभी सुविधा मुहैया कराई जा रही है।

मठ,मंदिरों का अधिग्रहण नहीं कर सकती सरकार : शंकराचार्य

भोपाल नप्र। ब्राह्मण महाकुंभ में उद्बोधन देते हुए शंकराचार्य स्वामी सहजानंद सरस्वती ने कहा,कि किसी भी धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र में सरकार मठ और मंदिरों का अधिग्रहण नहीं कर सकती है। मठ और मंदिरों का अधिग्रहण सरकार करेगी, तो उसे अन्य धर्मों के धार्मिक स्थलों का भी अधिग्रहण करना होगा। शंकराचार्य स्वामी सदानंद जी ने कहा ब्राह्मण समाज एकजुट हों। सभी नेता बन जाते हैं। उससे समाज का उत्थान नहीं होता है। हिंदू संस्कृति में रक्षा करने का काम ब्राह्मण समुदाय पर है। ब्राह्मण समाज एकजुट होकर मठ और मंदिरों के अधिग्रहण का विरोध करें।

कमलनाथ को मिला बजरंग सेना का साथः कांग्रेस को समर्थन दिया, कमलनाथ ने लगवाए-जय श्रीराम के जयघोष

कमलनाथ बोले-मेरे नहीं जय जय श्री राम बोलो

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मंच भाषण शुरू करने के लिए जैसे ही खड़े हुए कार्यकताओं ने जय-जय कमलनाथ के नारे लगाना शुरू कर दिया। इसके बाद कमलनाथ ने अपना भाषण शुरू करने से पहले कहा मेरे नहीं जय- य श्रीराम कहो। इसके बाद कमलनाथ ने खुद जय-जय श्री राम के नारे लगाए। इसके बाद कहा-आपने कांग्रेस का साथ देने का निश्चय किया है। यह कांग्रेस का नहीं बल्कि सच्चाई का साथ दे रहे हैं। आज प्रदेश में महाकाल में घोटाला, नर्मदा घोटाला, जहां देखो वहां घोटाला ही घोटाला है। हमें इस संस्कृति के रक्षक बने रहना है। हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती नौजवान बेरोजगारों की है।

दीपक जोशी बोले- कमलनाथ सच्चे हनुमान भक्त

इस अवसर पर दीपक जोशी ने कहा भगवान राम के परम सेवक हनुमानजी की बजरंग सेना साथ लेकर यहां आए हैं। हम संस्कृति के सेवक हैं। सनातन धर्म के सच्चे संरक्षक के रूप में कोई काम कर रहा है तो मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ कर रहे हैं। अपने मुख्यमंत्री काल के पहले ही साल में कमलनाथ ने एक लाख गौशालाओं का निर्माण कराया, ताकि गौमाता शांति और सुकून से रह सकें। जब मैंने बजरंग सेना से बात की तो बजरंग सेना का कहना था कि हम सब लोग मिलकर उस व्यक्तित्व का सम्मान करना चाहते हैं। आज हमारे भारत में राजनीतिक लोग बहुत से मंदिरों के निर्माण में विधायक निधि और सांसद निधि से सहयोग देते हैं, लेकिन अपने स्वयं के पैसे से कमलनाथ ने मध्य प्रदेश के सबसे बड़े बजरंगबली की प्रतिमा का का निर्माण कराया।

भोपाल । कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में बजरंग बली और बजरंग दल को लेकर कांग्रेस और बीजेपी के बीच जमकर सियासत हुई। बीजेपी ने बजरंग दल पर बैन की घोषणा को बजरंग बली का अपमान बताते हुए इसे चुनावी मुद्दा बनाया। इसके बावजूद कांग्रेस की सरकार बनने से मप्र के कांग्रेस नेता उत्साहित हैं। अब कमलनाथ को बजरंग सेना का भी चुनाव में साथ मिल गया है। इस दौरान बजरंग सेना के राष्ट्रीय संयोजक रघुनंदन शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष अमरीश राय, गायक उर्मिला नागर कांग्रेस में शामिल हुए। कांग्रेस में शामिल होने के पहले लिंक रोड़ पर स्थित झरनेश्वर मंदिर से पीसीसी तक बजरंग सेना के कार्यकताओं ने रैली निकाली। इस रैली में पूर्व मंत्री दीपक जोशी भी साथ पैदल चलकर पीसीसी पहुंचे। कार्यक्रम को कमलनाथ ने संबोधित किया।

शाह से मीटिंग के बारे में बाहर बात नहीं करनाः बजरंग बोले- बैठक में ये कहा गया था; गृहमंत्री से सेटिंग नहीं

आंदोलन जारी रहेगा

नई दिल्ली एजेंसी। गृहमंत्री अमित शाह से रेसलर्स की बैठक पर पहलवान बजरंग पूनिया ने कहा कि अमित शाह से बैठक में हम लोगों को कहा गया कि मीटिंग के बारे में बाहर बात नहीं करनी है। सरकार की तरफ से ये बातें हमें बोली गई थी।

बजरंग ने एनडीटीवी से कहा- हमारी गृहमंत्री के साथ कोई सेटिंग नहीं हुई है। हमारा धरना जारी रहेगा। हमने उनसे पूछा कि बृजभूषण की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई? इस पर गृहमंत्री ने कहा था कि जांच चल रही है।

भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ चल रहे आंदोलन के बीच रेसलर्स विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक के रेलवे में नौकरी जॉइन करने से किसान और खाप नेता नाराज हो गए हैं। ये लोग कुरुक्षेत्र में महापंचायत करने वाले थे। अब इन्होंने 9 जून को जंतर-मंतर पर होने वाले प्रदर्शन को टाल दिया है। इन किसान नेताओं ने कुरुक्षेत्र की महापंचायत में अल्टीमेटम दिया था कि 9 जून तक बृजभूषण की गिरफ्तारी नहीं हुई तो वे जंतर-मंतर पर पहलवानों का फिर से प्रदर्शन शुरू कराकर आएंगे। पिछले दिनों दिल्ली पुलिस ने रेसलर्स को जंतर-मंतर से हटा दिया था।

नाबालिग पहलवान ने बृजभूषण पर लगाए थे ये आरोप

नाबालिग पहलवान के पिता ने कहा, बेटी ने 16 साल की उम्र में झारखंड के रांची में नेशनल गेम्स में जूनियर रेसलिंग चैम्पियनशिप में गोल्ड जीता। यहीं पर फोटो लेने के बहाने बृजभूषण ने जबरन बेटी को अपने करीब खींचा। उसे बाहों में इतना कसकर जकड़ लिया कि वह खुद को छुड़ाने के लिए हिल तक नहीं पाई।

संपादकीय

बिगड़ता पर्यावरण और हमारी जिम्मेदारी

पर्यावरण प्रदूषण ने मानव सभ्यता की तमाम गतिविधियों और विकास पर जो असर पिछले तीन दशकों में डाला है, उसका असर कई दशकों तक बना रहेगा। जब से प्रदूषण से होने वाली समस्याएं बढ़ी हैं, केंद्र और राज्य सरकारों ने अपने स्तर से इससे छुटकारा पाने के लिए कदम उठाए हैं। सवाल उठता है कि क्या केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा पर्यावरण प्रदूषण से निजात पाने के लिए आबंटित धन और योजनाओं से पर्यावरण को स्वच्छ बनाया जा सकता है? पर्यावरण प्रदूषण ने मानव सभ्यता की तमाम गतिविधियों और विकास पर जो असर पिछले तीन दशकों में डाला है, उसका असर कितने दशकों तक बना रहेगा, कहना मुश्किल है। दरअसल, यह ऐसा धीमा जहर है जिसका प्रभाव हमारी सेहत सहित तमाम दूसरी गतिविधियों पर पड़ता रहता है। कोरोना के पहले पर्यावरण प्रदूषण कई समस्याओं, संकटों, बीमारियों, विकास में रुकावट, आर्थिक प्रगति में रुकावट और संपूर्ण वायुमंडल को जहरीला बनाने का कारण समझा जाता था। इसका मतलब यह नहीं कि पर्यावरण प्रदूषण के कारण पड़ने वाले असर, इससे बढ़ रहीं समस्याएं, संकट, बीमारियां, ऋतु चक्र में बदलाव जैसे अनगिनत समस्याओं को प्राथमिकता की सूची से निकाल दिया जाए। वर्ष 2015 में हुए पेरिस जलवायु समझौते में निर्धारित संकल्पों के अनुरूप भारत पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। जी 20 देशों में भारत अकेला देश है जो समझौते का अनुपालन कर रहा है। इसके तहत वन क्षत्रों को बचाना और बढ़ाना शामिल है। लेकिन बात इतनी ही नहीं है। वायु प्रदूषण के अलावा जल, ध्वनि, मिट्टी, अग्नि और अति प्रकाश प्रदूषण जैसी समस्याएं भी हैं, जिनके दुष्प्रभावों के असर से कई स्तरों पर समस्याएं पैदा हुई हैं। पिछले छह महीनों से पर्यावरण प्रदूषण तीव्र गति से बढ़ा है। ताजा सर्वेक्षण के मुताबिक विश्व में प्रदूषण के मामले में जिन तीस शहरों को शामिल किया गया, उनमें दिल्ली दूसरा सबसे प्रदूषित शहर है। इसके अलावा भारत के बाईस दूसरे शहर भी सर्वाधिक दुनिया के प्रदूषित शहरों में शामिल हैं। गौरतलब है कि पर्यावरण बेहतरी के संकल्पों को अमल में लाने के बावजूद प्रदूषण की समस्या में कोई खास तब्दीली नहीं आई है। इसके बावजूद हम पर्यावरण को बेहतर रखने के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। वैज्ञानिकों ने जलवायु परिवर्तन, बढ़ती बीमारियों, ग्लोबल वार्मिंग, सुनामी और धरती के बढ़ते तापमान की बड़ी वजह बढ़ते वायु प्रदूषण को माना है। धरती का बढ़ता तापमान और ऋतु चक्र में आए बदलाव की सबसे बड़ी वजह विषैली कार्बन ऊर्जा है। हमारे देश में 2005 की तुलना में कार्बन उत्सर्जन में इक्कीस प्रतिशत की कमी आई है, लेकिन यह बहुत कम है। दिल्ली, गुरुग्राम, आगरा, गाजियाबाद, कानपुर और दूसरे शहरों में हवा अति खराब श्रेणी में लगातार बने रहने का मतलब है पर्यावरण की बेहतरी के लिए और अधिक कारगर कदम उठाने की जरूरत है। पर्यावरण वैज्ञानिकों के मुताबिक देश में 2040 तक स्वच्छ ऊर्जा की मांग आज की तुलना में तीन गुना बढ़ जाएगी। सर्वेक्षणों से पता चलता है कि देश के कई राज्य जहां यूरिया, अमोनिया, जिंक सल्फेट और कीटनाशक बनाने के कारखाने हैं, जिनकी चिमनियों से तरह-तरह की जहरीली गैसें निकलतीं हैं, इनसे बुरी तरह से पर्यावरण खराब होता है। फूलपुर और आंवला में यूरिया बनाने के बहुत बड़े कारखाने हैं। इन कारखानों से निकले जहरीले पानी और गैस की वजह से तमाम समस्याओं से लोगों को रूबरू होना पड़ रहा है। बिहार में बहने वाली कई नदियों और कोलकाता में हुगली नदी डेढ़ सौ से ज्यादा चर्म, कपड़ा, कागज, पटसन, शराब और दूसरे आधुनिक उद्योगों के उच्छिष्टों की वजह से इतनी अधिक प्रदूषित हो गई है कि इसे हाथ से छूना बीमारी को बुलाने जैसा लगता है। इसी तरह भारत-नेपाल को बांटने वाली सरीसवा नदी नेपाल के उद्योगों से निकले उच्छिष्टों के कारण बहुत अधिक प्रदूषित हो गई है। गौरतलब है कि सरीसावा नदी सदियों से सौ से अधिक गांवों के लिए जीवन यापन का साधन बनी हुई थी।

ह्यूम से खरगे तक कांग्रेस का सफर क्या खोया और क्या पाया.....

लेखक
ऋतुपर्ण दवे

देश की राजनीति और मतदाताओं की परिपक्व सोच ने तमाम दावों और रणनीतिकारों को कई बार धूल चटाया। आम चुनाव और राज्यों के चुनावों के बीच बहुत कम समय के फासले के बावजूद अलग नतीजे इसका सबूत है। मजबूत लोकतंत्र और उससे भी ज्यादा समझदार हो चुका जनमानस अपनी सोच और दलों के भविष्य का खाका खींचते वक्त बेहद सतर्क होता है। इसके आगे बड़े-बड़े गणित और समीकरण भी असफल रहते हैं। जन सरोकारों और घर-घर संवाद के पुराने तौर-तरीकों को खो चुकी कांग्रेस, लोगों से रू-ब-रु होने के लिए सोशल मीडिया और रील, मीम्स से करिश्मे की उम्मीद बांधे बैठा है, जो नए दौर में और भी कठिन है। सच तो यह है कि जिस दल ने अपनी स्थापना के उद्देश्य और विचारधारा को ही धीरे-धीरे भुला दिया हो, उससे भला भविष्य में कितनी और कैसी अपेक्षाएं लोग करें? कांग्रेस के रहनुमाओं को चिन्ता इस बात की होनी चाहिए कि लोगों का रुझान किन कारणों से कम हो रहा है? लेकिन हो उल्टा रहा है। जो हैं वो अपने पुराने ठाठ और रुतबे का गुरूर भुलाए नहीं भूलते।

कभी लगता है कि कांग्रेस लक्ष्य से भटकी हुई है, कभी लगता है कि उम्मीद की किरण बाकी है। लेकिन सच यही है जनादेश वक्त के साथ अच्छे-अच्छों को हैसियत बता देता है। चाहे दल हों या राजनीतिज्ञ। आज कर्नाटक जीत के बाद भले कांग्रेस ऊर्जा से भरी होने का भ्रम पाल रही हो लेकिन इस कड़वे सच को मानना ही होगा कि जनसाधारण की रुचि दिनों दिन दूसरे दलों में ज्यादा दिखने लगी है। इसे कोई क्षेत्रवाद का विस्तार कहे या पूरे देश में बरसों बरस एकछत्र शासन कर चुके ऐसे राष्ट्रीय दल की विडंबना जो बहुत पहले अपने ही बिछाए जाल में खुद फंसती चली गई। कुछ यूं उलझी कि जनमानस के मस्तिष्क में कांग्रेस को लेकर उलझी गुत्थी कब सुलझेगी पता नहीं। ये सवाल बेहद अहम और राजनीतिक पण्डितों को भी समझ नहीं आता होगा कि गुणनफल क्या होगा? देश की राजनीति और मतदाताओं की परिपक्व सोच ने तमाम दावों और रणनीतिकारों को कई बार धूल चटाया। आम चुनाव और राज्यों के चुनावों के बीच बहुत कम समय के फासले के बावजूद अलग नतीजे इसका सबूत है। मजबूत लोकतंत्र और उससे भी ज्यादा समझदार हो चुका जनमानस अपनी सोच और दलों के भविष्य का खाका खींचते वक्त बेहद सतर्क होता है। इसके आगे बड़े-बड़े गणित और समीकरण भी असफल रहते हैं। जन सरोकारों और घर-घर संवाद के पुराने तौर-तरीकों को खो चुकी कांग्रेस, लोगों से रू-ब-रू होने के लिए सोशल मीडिया और रील, मीम्स से करिश्मे की उम्मीद बांधे बैठा है, जो नए दौर में और भी कठिन है। सच तो यह है कि जिस दल ने अपनी स्थापना के उद्देश्य और विचारधारा को ही धीरे-धीरे भुला दिया हो, उससे भला भविष्य में कितनी और कैसी अपेक्षाएं लोग करें? कांग्रेस के रहनुमाओं को चिन्ता इस बात की होनी चाहिए कि लोगों का रुझान किन कारणों से कम हो रहा है? लेकिन हो उल्टा रहा है। जो हैं वो अपने पुराने ठाठ और रुतबे का गुरूर भुलाए नहीं भूलते। शायद यही वजह है कि पूरे देश में कांग्रेस खुद को लोगों से जोड़े रखने मे जबरदस्त रूप से विफल हो रही है। अपवाद स्वरूप एक-दो प्रान्त छोड़ दें तो कहीं भी भविष्य में कांग्रेस की स्थिति पर कुछ ठोस नजर आता नहीं। जिस तरह से मध्य प्रदेश में हाथ आई सरकार गई, पूर्व में कई राज्यों (गोवा सहित कुछ अन्य) के उदाहरण हैं, राजस्थान में सरकार रहते कलह के नए-नए रूप दिखे, महाराष्ट्र में विपक्षी एकता के बावजूद गठबन्धन के दरकने की बेफिक्री के आलम से लगता है कि पार्टी में संगठनात्मक मजबूती को लेकर न मंथन है न चिंतन। एक-एक कर जिस तरह से कांग्रेस से दिग्गज व क्षत्रप पलायन करते गए उससे सवाल तो बहुत उठे। लेकिन गहराई में छिपे राज को जानकर भी अनजान कर्णधार क्यों नहीं वो सुधार कर पाए जो किसी दल के लिए सबसे अहम होते हैं। सबसे बड़ी सच्चाई यह कि अनुशासन जहां नहीं होता, वहां स्थिति खुद बेकाबू हो जाती है। नेतृत्व की स्वीकार्यता सबसे अहम होती है चाहे वह शीर्ष हो या फिर गांव, कस्बे, वार्ड, नगर, शहर, प्रान्त और केन्द्र का हो। शायद राहुल गांधी का पहली बार राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाना और 2019 की हार के बाद तुरंत इस्तीफा दे देना भले निजी राजनीतिक फैसला रहा हो, इसके बाद सोनिया गांधी का अंतरिम अध्यक्ष बनना अन्दरूनी मसला हो सकता है परन्तु इससे जनमानस में गए संदेश को भांपने की विफलता की बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ी। सच है कि एक वक्त वो भी था जब सोनिया गांधी

चाहतीं तो प्रधानमंत्री बन सकती थीं। लेकिन उन्होंने ऐसा न कर विपक्ष और दूसरे दलों को एक बड़ा और साहसिक संदेश दिया। ये बात अलग है कि उस दौर में प्रधानमंत्रियों को रबर स्टाम्प तक कहा गया। दरअसल कोई भी दल आन्तरिक लोकतंत्र से ही फलता-फूलता है। कांग्रेस में धीरे-धीरे यह खत्म होता गया। आज मल्लिकार्जुन खरगे कांग्रेस के मुखिया हैं। उनका अपना राजनीतिक दौर है, यह आगे कैसा दिखेगा, वक्त पर छोड़ना होगा। हां, ऐसे निर्णय कोई दशक, डेढ़ दशक पहले होने थे। लेकिन हुआ ठीक उलटा कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से गांधी परिवार के इर्द-गिर्द सिमटी-सी दिखने लगी। शायद यही चूक थी। राजनीति में जो होता है वो दिखना नहीं चाहिए लेकिन यहां जो दिखा वही हुआ। थोड़ा कांग्रेस के अतीत को भी देखना होगा। सन् 1939 में सुभाष चंद्र बोस ने अध्यक्ष पद के चुनाव में पट्टाभि सीता रमैया को हरा दिया जो महात्मा गांधी के उम्मीदवार थे। गांधीजी ने इसे निजी हार मानी। पटेल, नेहरू समेत वर्किंग कमिटी के 13 सदस्यों ने सुभाष चंद्र बोस पर तानाशाही के आरोप लगाते हुए इस्तीफे दे दिए। साथ में यह भी कि बोस अपनी गैरमौजूदगी में कांग्रेस को सामान्य रूप से चलने नहीं दे रहे। इस बीच सुभाषचंद्र बोस के उस विवादित बयान ने खूब खलबली मचाई जिसमें उन्होंने गांधी समर्थकों को बुद्धिहीन कहा। कार्य समिति ने बोस को अपने बयान पर खेद जताने को कहा। 8 से 12 मार्च, 1939 तक त्रिपुरी, जबलपुर में हुए कांग्रेस अधिवेशन जिसमें गांधीजी कहने को तो अनुपस्थित थे लेकिन हुआ वही जो चाहते थे। गोविंद बल्लभ पंत ने आल इंडिया कांग्रेस कमेटी के 160 सदस्यों की तरफ से प्रस्ताव रखा कि कांग्रेस, गांधी के रास्ते पर ही आगे बढ़ेगी। 10 मार्च को सब्जेक्ट कमेटी ने 135 के मुकाबले 218 वोटों से पारित कर दिया। यह कांग्रेस संविधान के अनुच्छेद 15 के खिलाफ था क्योंकि वर्किंग कमेटी बनाने का अधिकार अध्यक्ष को था जो बोस थे। इससे अधिवेशन में सुभाष समर्थकों और विरोधियों में जमकर हंगामा हुआ। यह खबर पूरे देश में फैली तो टैगोर ने गांधीजी से हस्तक्षेप को कहा जो तब अनशन पर थे। दुखी टैगोर ने अपने पूर्व निजी सचिव को एक पत्र लिखा कि ह्जिस पवित्र मंच से आजादी के मंत्र गूंजने चाहिए वहां फासिस्ट दांत उभर आए हैं।ᡃ इससे उनका दर्द झलका। 1942 में धुन के पक्के नेताजी ने आजाद हिन्द फौज बनाई। 6 जुलाई, 1944 आजाद हिन्द रेडियो पर उनका खास भाषण था। सभी इंतजार में थे। लोगों का लगा कि आगे आजादी की लड़ाई गांधी मुक्त होगी। लेकिन मिलिट्री यूनिफॉर्म पहने सुभाष बाबू ने जब राष्ट्र का सम्बोधन शुरू किया तो थोड़ा बोले फिर रुके और फिर कहा कि राष्ट्रपिता, हिंदुस्तान की आजादी की लड़ाई में आपका आशीर्वाद चाहिए। ये सुनते ही सभी भावुक हो गए। तब ये नेताओं का वो नजरिया व जज्बा था जिसमें कूट-कूट कर देशभक्ति झलकती थी। दो विचारधारा लेकिन लक्ष्य एक। वहीं जब बापू को बोस के विमान दुर्घटना का पता चला तो उन्होंने कहा ह्उन जैसा दूसरा देशभक्त नहीं, वह देशभक्तों के राजकुमार थे।ह्व 24 फरवरी, 1946 के हरिजन के अपने लेख में गांधीजी लिखते हैं, ᡃआजाद हिंद फौज का जादू हम पर छा गया है। नेताजी का नाम सारे देश में गूंज रहा है। वे अनन्य देशभक्त हैं। लाख मतभेदों के बाद देशप्रेम के आगे सभी नतमस्तक दिखते थे। तब यही कांग्रेस की ताकत थी। ऐसी थी स्कॉटलैंड के एक रिटायर्ड अधिकारी एओ ह्यूम के विचारों और कोशिशों से 28 दिसंबर 1885 को बनी तब की कांग्रेस। लेकिन दुखद ये कि उन्हें ही जीते जी संस्थापक का दर्जा नहीं हासिल हुआ जो 1912 में मृत्यु के बाद मिला। निश्चित रूप से अपने मिशन और कार्यक्रमों को लेकर कांग्रेस में अंतर्विरोध कोई नया नहीं है। तब और अब का यही फर्क धीरे-धीरे कांग्रेस के लिए नासूर बनने लगा। ह्यूम की कांग्रेस स्वतंत्रता के बाद गांधीजी, जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी से होती हुई सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी से होकर अब मल्लिकार्जुन खरगे के हाथों में है। निश्चित रूप से किसी भी देश में दो मजबूत दल लोकतंत्र की मजबूती के लिए बेहद जरूरी हैं। लेकिन भारत में जिस तरह क्षेत्रीय दलों की भूमिका बढ़ रही है उससे लगता है कि कभी ये पार्टी आगे बढ़ेगी तो कभी वो।

भयावह होती रेल दुर्घटनाओं की तस्वीर

लेखक
योगेश कुमार गोयल

भारत में आजादी के बाद हुए घातक ट्रेन हादसों में यह हादसा अत्यधिक भीषण हादसा है। इस दर्दनाक हादसे के बाद दुर्घटनास्थल पर किसी का हाथ कटा पड़ा था तो किसी का पैर, किसी का सिर तो किसी का धड़। रेल सुरक्षा आयुक्त (दक्षिण पूर्व सर्किल) एएम चौधरी को इस रेल दुर्घटना की जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हालांकि प्रारंभिक संकेतों के अनुसार इस दुर्घटना के पीछे मानवीय चूक मानी जा रही है। कहा जा रहा है कि देश में 16 महीने बाद कोई ऐसा रेल हादसा हुआ है, जिसमें लोगों की जान गई है। इससे पहले 14 जनवरी 2022 को पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में दोमोहानी के पास हुए हादसे में 9 लोगों की जान चली गई थी। तब बीकानेर से गुवाहाटी जा रही बीकानेर-गुवाहाटी एक्सप्रेस की 12 बोगियां पटरी से उतर गई थी। हादसे के समय ट्रेन की गति कम थी अन्यथा रेल तंत्र की लापरवाही के कारण वह दुर्घटना बहुत बड़ी हो सकती थी।

उड़ीसा के बालासोर में 2 जून की शाम को हुए भीषण ट्रेन हादसे में करीब तीन सौ लोग मारे गए हैं और एक हजार से भी ज्यादा घायल हुए हैं। इस हादसे में कोलकाता से चेन्नई जाने वाली कोरोमंडल एक्सप्रेस पटरी से उतर गई थी और इसी बीच यशवंतपुर-हावड़ा एक्सप्रेस वहां आ गई और कोरोमंडल से टकराकर पलट गई। इस टक्कर के बाद कोरोमंडल एक्सप्रेस की मालगाड़ी से टक्कर हो गई, जिसमें ट्रेन का इंजन बोगी के ऊपर चढ़ गया। बालासोर के पास बाहानगा बाजार स्टेशन के नजदीक हुए हादसे में पहले कोरोमंडल एक्सप्रेस पटरी से उतरी और यह ट्रेन दूसरी तरफ से आ रही यशवंतपुर-हावड़ा एक्सप्रेस से टकरा गई, जिसके बाद कोरोमंडल एक्सप्रेस के कुछ डिब्बे पटरी से उतरे और उसी दौरान कोरोमंडल एक्सप्रेस एक मालगाड़ी से जा टकराई। यह रेल हादसा कितना भयानक था, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि रेल की पटरी सीधे ट्रेन के फर्श को चीरते हुए अंदर घुस गई और बोगी के आरपार हो गई। भारत में आजादी के बाद हुए घातक ट्रेन हादसों में यह हादसा अत्यधिक भीषण हादसा है। इस दर्दनाक हादसे के बाद दुर्घटनास्थल पर किसी का हाथ कटा पड़ा था तो किसी का पैर, किसी का सिर तो किसी का धड़। रेल सुरक्षा आयुक्त (दक्षिण पूर्व सर्किल) एएम चौधरी को इस रेल दुर्घटना की जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हालांकि प्रारंभिक संकेतों के अनुसार इस दुर्घटना के पीछे मानवीय चूक मानी जा रही है। कहा जा रहा है कि देश में 16 महीने बाद कोई ऐसा रेल हादसा हुआ है, जिसमें लोगों की जान गई है। इससे पहले 14 जनवरी 2022 को पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में दोमोहानी के पास हुए हादसे में 9 लोगों की जान चली गई थी। तब बीकानेर से गुवाहाटी जा रही बीकानेर-गुवाहाटी एक्सप्रेस की 12 बोगियां पटरी से उतर गई थी। हादसे के समय ट्रेन की गति कम थी अन्यथा रेल तंत्र की लापरवाही के कारण वह दुर्घटना बहुत बड़ी हो सकती थी। उस समय कहा गया था कि वह हादसा 34 महीने बाद हुआ था। हालांकि वास्तव में ऐसा है नहीं, रेल हादसे निरन्तर होते रहे हैं और लोग ऐसे हादसों की बलि चढ़ते रहे हैं। इसी साल 2 जनवरी को राजस्थान में पाली के नजदीक बांद्रा-जोधपुर सूर्यनगरी एक्सप्रेस के 13 डिब्बे बेपटरी हो गए थे, उस हादसे में 26 यात्री घायल हुए थे। 22 अप्रैल 2021 को लखनऊ-चण्डीगढ़ एक्सप्रेस ने बरेली-शाहजहांपुर के पास क्रॉसिंग पर कुछ वाहनों को टक्कर मार दी थी, जिसमें पांच लोगों की मौत हुई थी। उससे पहले 3 फरवरी 2019 को जोगबनी से दिल्ली जा रही सीमांचल एक्सप्रेस के 11 डिब्बे पटरी से उतरने से सात से अधिक यात्रियों की मौत हुई थी। ऐसे हादसों में हर बार हताहतों की चीखें खोखले रेल तंत्र की कमियों को उजागर करते हुए समूचे रेल तंत्र को कटघरे में खड़ा करती रही हैं लेकिन उसके बावजूद रेल हादसों पर लगाम नहीं कसी जा रही। भारत का रेल तंत्र दुनिया के सबसे बड़े सार्वजनिक उपक्रमों में से एक हैं, जिसे आमजन के लिए जीवनदायी माना जाता है। भले ही देश में हवाई मार्ग और सड़क मार्गों का कितना भी विस्तार हो जाए, फिर भी देश की बहुत बड़ी आबादी यातायात के मामले में रेल नेटवर्क पर ही निर्भर है। रेलों के जरिये प्रतिदिन न केवल करोड़ों लोग यात्रा करते हैं बल्कि यह माल ढुलाई का भी सबसे बड़ा साधन है। इसके बावजूद इस विशालकाय तंत्र को चुस्त-दुरुस्त और सुरक्षित बनाने पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता और प्रायः इसी कारण रेल हादसे होते रहे हैं। इतने विशाल तंत्र को दुरुस्त रखने के लिए रेलवे को प्रतिवर्ष 20 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की जरूरत होती है लेकिन विशेषज्ञ इसके आवंटन को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। केन्द्र सरकार द्वारा रेल तंत्र को मजबूत करने और आधुनिक जामा पहनाने के उद्देश्य से रेल बजट का आम बजट में ही विलय कर दिया गया था लेकिन अभी तक उससे भी कुछ खास हासिल होता नहीं दिखा। प्रतिवर्ष बजट पेश करते समय रेल पटरियों के सुधार, सुरक्षा उपकरणों को पुख्ता करने तथा रेल यात्रा को सुगम व सुरक्षित बनाने के दावे किए जाते हैं। ऐसे में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यही है कि फिर भी रेल हादसों पर लगाम क्यों नहीं लग रही? एक तरफ हम देश में बुलेट ट्रेनें चलाने का दम भरते हैं लेकिन दूसरी ओर पहले से मौजूद विस्तृत रेल तंत्र की अव्यवस्थाओं को दूर करने में कोई विशेष दिलचस्पी नहीं दिखाते।

गौरवशाली अतीत की अभिव्यक्ति

लेखक
डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

राष्ट्रीय गौरव के विषयों पर राष्ट्रीय सहमति दिखनी चाहिए अन्यथा देश विरोधी तत्वों को अनावश्यक प्रतिक्रिया देने का अवसर मिलता है। नए संसद भवन के उद्घाटन पर भी विपक्षी नेताओं ने ऐसी ही मानसिकता दिखाई। पुराना संसद भवन ब्रिटिश शासन द्वारा बनाया गया था। नई संसद आत्मनिर्भर भारत की प्रतीक है लेकिन विपक्ष ने अपनी राजनीति को ही महत्व दिया। उन्होंने राष्ट्रीय गौरव के समारोह का बहिष्कार किया। इतना ही नहीं राहुल गांधी ने अमेरिका जाकर नए संसद भवन की आलोचना की। उनका कहना था कि समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए सरकार ने यह कार्य किया। इस प्रकार विपक्ष ने यहां निर्मिति भारत के गौरवशाली अतीत की कलाकृतियों का भी बहिष्कार किया। इससे पाकिस्तान जैसे देशों का मनोबल बढ़ा। उन्होंने यहां निर्मित अखंड भारत के भित्तिचित्र की निंदा की। इसे भारत की विस्तारवादी मानसिकता मान रहे हैं और इससे भविष्य को लेकर चिंतित हो रहे हैं। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि अखंड भारत का दावा भारत की विस्तारवादी मानसिकता का दिखावा है जो उनके पड़ोसी देशों, धार्मिक अल्पसंख्यकों की विचारधारा और संस्कृति को दबाना चाहती है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने भारत से विस्तारवादी विचारधारा से दूर रहने और शांतिपूर्ण तरीके से अपने पड़ोसी देशों के साथ विवादों का निपटारा करने का आग्रह किया है। नेपाल के पूर्व पीएम बाबूराम भट्टराई ने इस बारे में अपनी चिंता जाहिर करते हुए भारत से स्पष्टीकरण मांगा है। नेपाल के पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली ने भी चिंतित स्वर में इसे अनुचित बताया है। जबकि इस भित्तिचित्र का वर्तमान परिदर्शन से कोई मतलब नहीं है। यह भारत का अतीत है। प्रत्येक देश को अपने गौरवशाली अतीत का स्मरण करने, उनको कलाकृतियों में समेटने का अधिकार है। भारत ने यही किया है। वर्तमान में वह सभी देशों की स्वतंत्रता सम्प्रभुता का सम्मान करता है। पाकिस्तान ने भारत को विस्तारवादी बताया लेकिन यह वही पाकिस्तान है जिसे भारत ने युद्ध में गई जमीन ताशकंद और शिमला समझौते के तहत वापस कर दी थी। पाकिस्तान का जन्म हुआ था। जन्म लेने वाले देश जब अपने अतीत पर विचार करेंगे, तब उन्हें सच्चाई दिखना शुरू हो जाएगा। नेपाल के दो पूर्व प्रधानमंत्री और विपक्ष के नेताओं ने अखंड भारत कलाकृति की आलोचना की है। इनको उसी प्रकार महत्व नहीं देना चाहिए जैसे भारत के विपक्षी नेताओं के बयानों को विदेशों में कोई महत्व नहीं दिया जाता है। नेपाल के वर्तमान प्रधानमंत्री प्रचंड इसी समय पर भारत यात्रा पर आए थे। उन्होंने अखंड भारत की कलाकृति पर बयान नहीं दिया। कहा कि उनकी यात्रा से भारत नेपाल के बीच मित्रता, आपसी समझ और साझेदारी मजबूत हुई है। भारत के नए संसद भवन में लगे अखंड भारत के म्यूरल आर्ट में प्राचीनकाल में भारत के नक्शे को दशार्या गया है। अखंड भारत के इस नक्शे में वर्तमान का पाकिस्तान, नेपाल अफगानिस्तान, मालदीव, श्रीलंका, म्यांमार और बांग्लादेश दिखाए गए हैं। पहले ये भारत का हिस्सा थे। अखण्ड भारत में आज के अफगानिस्थान, पाकिस्तान, तिब्बत, भूटान, म्यांमार, बांग्लादेश, श्रीलंका आते हैं। प्राचीन काल में भारत का साम्राज्य में आज के मलेशिया, फिलीपीन्स, थाईलैण्ड, दक्षिण वियतनाम, कम्बोडिया, इण्डोनेशिया आदि में सम्मिलित थे। 1857 से 1947 के बीच भारत के कई खंड हुए। कैलाश मानसरोवर से पूर्व में वर्तमान का इंडोनेशिया है। पश्चिम में ईरान प्रदेश हिमालय के अंतिम छोर पर हैं। श्रीलंका या कन्याकुमारी से पूर्व व पश्चिम की तरफ हिंद महासागर इंडोनेशिया ईरान तक ही है। इनके बाद ही दोनों ओर महासागर का नाम बदलता है। हिमालय, हिंद महासागर, आर्यान ईरान व इंडोनेशिया के बीच का पूरे भू-भाग को आर्यावर्त अथवा भारतवर्ष कहा जाता था। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि यह सम्राट अशोक के शासनकाल में भारत के मानचित्र को दशार्ता है। भारत ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह मुद्दा एक दिन पहले भारत और नेपाल के प्रधानमंत्रियों के बीच हुई बैठक में भी नहीं उठा था। यह कलाकृति लोक आधारित शासन व्यवस्था को बताता है। भित्ति चित्र के पास यह जानकारी भी लिखी है। 1937 में अहमदाबाद में हिंदू महासभा के वार्षिक सत्र में भारतीय कार्यकर्ता और हिंदू महासभा के नेता विनायक दामोदर सावरकर ने एक अखंड भारत की धारणा को प्रतिपादित किया कि कश्मीर से रामेश्वरम तक, सिंध से असम तक एक और अविभाज्य रहना चाहिए। उन्होंने कहा था कि सभी नागरिक जो भारतीय राष्ट्र और भारतीय राज्य के प्रति अविभाजित वफादारी और निष्ठा रखते हैं, उनके साथ पूर्ण समानता के साथ व्यवहार किया जाएगा। जाति, पंथ या धर्म के बावजूद कर्तव्यों और दायित्वों को समान रूप से साझा करेंगे, और प्रतिनिधित्व भी करेंगे या तो एक व्यक्ति एक वोट के आधार पर या पृथक निर्वाचक मंडल के मामले में जनसंख्या के अनुपात में और सार्वजनिक सेवाएं अकेले योग्यता के आधार पर होंगी। परतंत्रता काल में कन्हैयालाल मणिक लाल मुन्शी ने अखंड भारत के प्रति समर्थन व्यक्त किया था। इस प्रस्ताव से महात्मा गांधी भी सहमत थे। उनका कहना था कि ब्रिटेन फूट डालो और राज करो की नीति अपनाकर अपने साम्राज्य को बनाए रखना चाहता है। एकता के बल पर उसके प्रयासों को विफल करना आवश्यक है। मूल संविधान में प्रत्येक अध्याय के प्रारंभ में चित्रों को सजाया गया था।

बहुजन समाज पार्टी राज अधिकार यात्रा राजनगर विधानसभा 50 में हुई संपन्न

बहुजन समाज पार्टी के विधानसभा प्रत्याशी रामराजा पाठक को मिल रहा है अपार जनसमर्थन

बाल किशन विश्वकर्मा ◈ छतरपुर

छतरपुर जिले की राजनगर विधानसभा के अंतर्गत विधानसभा 50 मैं बहुजन समाज पार्टी के द्वारा संजयनगर डुमरा राजनगर खजुराहो बमीठा चंद्र नगर राजगढ़ भैयाताल सूरजपुरा पहरापुरवा हकीमपुरा होते हुए यह रैली 3 जून 2023 कोडुमरा से होते हुए रैली निकाली गई बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रमाकांत पीपल जिला अध्यक्ष शंकर लाल अहिरवार सांसद राम जी गौतम राजसभा सांसद एवं प्रदेश प्रभारी एवं मुकेश अहिरवार प्रदेश प्रभारी, तीरथ विश्वकर्मा बहुजन समाज पार्टी कार्यकर्ता एवं के नेतृत्व में रैली निकाली गई जिसमें राजनगर विधानसभा 50 के बीएसपी से संभावित प्रत्याशी रामराजा पाठक के नेतृत्व में राजनगर विधानसभा के अंतर्गत करीब 11 जगहों पर नुक्कड़ सभाएं की गई एवं जन अधिकार यात्रा रैली के माध्यम से निकाली गई राजनगर एवं छतरपुर जिला के बहुजन समाज पार्टी के कार्यकताओं के द्वारा एवं पदाधिकारियों के द्वारा नुक्कड़ सभा की गई बहुजन समाज पार्टी की बढ़ रहे हैं लगातार जनाधार में अन्य पार्टियों की मुसीबतें बढ़ती नजर आ रही है अगर सही मायने में देखा जाए तो राज नगर विकास खंड में बहुजन समाज पार्टी को अनुमानित वोट संख्या के 40 परसेंट बोट हमेशा मिलती आ रही है क्योंकि राजनगर विधानसभा में दिग्गज नेताओं के द्वारा बीएसपी पार्टी के द्वारा टिकट लेकर चुनाव लड़ा भी गया इतिहास गवाह है कि बहुत ही कम मतों पर हाथी के प्रत्याशी की हार हुई थी बहुजन समाज पार्टी पर पूर्व विधायक शंकर प्रताप सिंह उर्फ मुन्ना राजा के द्वारा चुनाव लड़ा गया था जिसमें कम मतों पर उनकी हार हुई थी वर्तमान में विधानसभा 50 प्रत्याशी रामराजा पाठक अपनी किस्मत आजमाने के लिए बहुजन समाज पार्टी से प्रत्याशी हो सकते हैं जब मीडिया के द्वारा राजनगर विधानसभा के प्रत्याशी रामराजा पाठक से बात की गई तो उनके द्वारा बताया गया मध्यप्रदेश में लगातार बढ़ रही बेरोजगारी और महंगाई आज के समय में सबसे बड़ा मुद्दा बनकर रह गया है जिस पर ना तो प्रशासन ध्यान दे रही है और ना ही जिम्मेदार नेता यह जुमलेबाजी सरकार गरीब जनता से उनका मत ले रही है और उन को गुमराह करने का काम कर रही है लगातार बढ़ रही महंगाई से लोग त्रस्त हो चुके हैं भले ही भारतीय जनता पार्टी जुमलेबाजी कर जनता को लुभाने की कोशिश कर रही हो लेकिन वर्तमान में उनके प्रत्याशियों को चुनाव जीतना एवं बहुमत हासिल करना मुश्किल हो जाएगा मध्यप्रदेश में किसी भी प्रकार से भारतीय जनता पार्टी अपनी सरकार नहीं बना पाएगी राजनगर में अगर देखा जाए तो भारतीय जनता पार्टी बनाम कांग्रेस बनाम बहुजन समाज पार्टी में त्रिकोणीय स्थिति वर्तमान में देखी जा सकती है लेकिन जाति समीकरण बिगड़ने के कारण किसी भी पार्टी को पूर्ण रूप से वोट मिलने के आसार नहीं दिखाई दे रहे हैं पूर्व मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश उमा भारती के द्वारा पूर्व में बोला भी गया था कि मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड में जाति समीकरण ठीक नहीं है जिसका खामियाजा वर्तमान की सत्ता में बैठी सरकार को भोगना पड़ सकता है लेकिन मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा इस बात का नजरअंदाज किया गया जिसका खामियाजा वर्तमान के होने वाले विधानसभा चुनाव में देखा जा सकता है वैसे तो अगर देखा जाए तो बहुजन समाज पार्टी जमीनी पकड़ बनाए हुए हैं लगातार जनसंपर्क कर रही है जिसको देखते हुए अन्य पार्टी के नेताओं में खलबली मची हुई है

राजा बलवंत सिंह महाविद्यालय में आयोजित हुई काउंसलिंग

लक्ष्मण सेन ◈ खजुराहो

खजुराहो के महाराजा छत्रसाल विश्वविद्यालय छतरपुर से संबंध राजा बलवंत सिंह महाविद्यालय राजनगर (खजुराहो) में 12वीं पास आउट छात्रों को नई शिक्षा नीति से परिचित कराने हेतु काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिस में उपस्थित महाराजा महाविद्यालय से के.एल. पटेल, संस्था के प्राचार्य डॉ आलोक चौरसिया, रेडिसन होटल से विजया त्रिपाठी, शासकीय महाविद्यालय से कौशलेंद्र सिंह इत्यादि ने नई शिक्षा नीति की बारीकियों एवं 12वीं पास के बाद महाविद्यालय में छात्रों को प्रवेश करने से संदर्भित ऑनलाइन - ऑफलाइन एवं विभिन्न विशियक महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई एवं उन्हें तकनीकी जानकारियां प्रदान कर शिक्षा के महत्व को भी समझाया गया ।

इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य आलोक चौरसिया ने नई शिक्षा नीति के तहत बताया कि बेसिक पूरा सिस्टम ही बदल दिया गया है एवं विषयों का चयन मेजर, माइनर, ओईसी, वोकेशनल तथा फील्ड प्रोजेक्ट के आधार से करना पड़ता है , बच्चों को कठिनाई से बचाने हेतु संस्था के द्वारा किए जा रहे प्रयासों के साथ प्राचार्य डॉ . आलोक चौरसिया ने कहा कि आप अपना प्रवेश जहां भी लें सोच समझकर एवं ऑनलाइन की बारीकियों को समझते हुए ले , कार्यक्रम का सफल संचालन संस्था के ही रतन मुकेश तिवारी के द्वारा किया गया, इस अवसर पर संस्था के प्रधानाध्यापक, अध्यापक, अध्यापिकाएं एवं दूर-दूर से आए छात्र छात्राएं उपस्थित रहे ।

राजनगर शासकीय महाविद्यालय में पर्यावरण दिवस पर हुए कार्यक्रम

लक्ष्मण सेन ◈ खजुराहो

राजनगर के शासकीय महाविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री अरविंद पटेरिया के द्वारा महाविद्यालय परिसर में फलदार पौधे रोपित किए गए तथा महाविद्यालय के छात्र छात्राओं को ठंडा एवं स्वच्छ व निर्मल पानी के लिए वाटर कूलर का फीता काटकर शुभारंभ किया गया ।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां वीणा वाणी की चित्र पर दीप प्रज्वलित एवं पुष्प अर्पित करने के पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ तत्पश्चात विविध आयोजनों के तहत बच्चों के साथ भाजपा जिला महामंत्री अरविंद पटेरिया ने संवाद भी स्थापित किया, जिसके तहत महाविद्यालय की विभिन्न समस्याओं से भी वह अवगत होकर निराकरण हेतु उन्होंने शासकीय महाविद्यालय राजनगर के जनभागीदारी समिति अध्यक्ष संजीव शुक्ला एवं प्राचार्य डॉ मोनिका सिंह को आश्वस्त किया ।

इस कार्यक्रम में नगर परिषद राजनगर के अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा , जनभागीदारी समिति के सदस्य राजेंद्र वर्मा, विनोद भारतीय, वीरेंद्र तिवारी के अलावा सत्कार समिति के खजुराहो संसदीय क्षेत्र से कपिल सोनी, पार्षद रवि नायक के अतिरिक्त महाविद्यालय के ब्रजराज सिंह, तैयब खान, निशा दीक्षित, कौशलेंद्र प्रताप सिंह, अल्पना सिंह, श्री स्वामी दीन प्रजापति एवं श्रीमती रिंकी पटेल उपस्थित रहे ।

एसडीएम अभिजित सिंह ने ओवरलोड रेत से भरे ट्रक को पकड़ा

राम सिंह यादव ◈ टीकमगढ़

टीकमगढ़ जतारा मार्ग पर एसडीएम ने ओवरलोड ट्रक को पकड़ा और जतारा पुलिस के हवाले किया । मिलीं जानकारी के मुताबिक बताया कि सोमवार को टीकमगढ़ जतारा मार्ग पर अवैध आये दिन रेत से ट्रकों की आये दिन शिकायतें अनुविभाग कार्यालय में आ रही थी तभी जिले की ओर जा रहे एसडीएम अभिजित सिंह ने रेत से भरे ट्रक को लार खुर्द के पास ट्रक को रोका और विभिन्न दस्तावेजों को देखा तों 16 चक्का ट्रक होने के बाद भी ओवरलोड रेत भरे हुए था जो जतारा से टीकमगढ़ मार्ग की और एम पी 36 एच 1372 जा रहा था जिससे जतारा थाने में रखया गया वहीं एसडीएम ने अभिजित सिंह का कहना है कि ओवरलोड रेत से भरे ट्रक का प्रतिवेदन तत्काल प्रभाव से बनाकर जिले के कलेक्टर साहब को भेजा गया है ।

एसडीएम ने प्रतिवेदन बनाकर तत्काल प्रभाव से जिले के कलेक्टर को भेजा

उक्त कारवाई को लेकर क्या कहते हैं जतारा एसडीएम अभिजित सिंह आप भी सुनिए ।

डीजीपी ने किया प्रशिक्षु नव आरक्षकों की मेस में जाकर उनके साथ भोजन

फतवा समाचार ◈ धार

डीजीपी श्री सुधीर कुमार सक्सेना ने मंगलवार को ग्वालियर जिले में स्थित पुलिस प्रशिक्षण शाला, तिघरा पहुंचकर नवनियुक्त नवआरक्षकों से संवाद किया। उन्होंने नवआरक्षकों की व्यवहारिक समस्याओं की जानकारी ली और सुझाव भी लिये। उन्होंने नवनियुक्त नवआरक्षकों के साथ नवआरक्षक मेस में भोजन भी किया। इस दौरान डीजीपी ने प्रशिक्षण की समीक्षा की एवं नवआरक्षकों को देशभक्ति-जनसेवा के मूलमंत्र को आत्मसात करने का संदेश दिया।

धार पुलिस द्वारा अवैध हाथ भट्टी की कच्ची शराब बनाने वालों पर की बडी कार्यवाही

फतवा समाचार ◈ धार

धार जिलें में अवैध शराब तस्करी एवं हाथ भट्टी की कच्ची देशी शराब बनाने में संलिप्त गिरोह के आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जिला धार मनोज कुमार सिंह द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पाटीदार के नेतृत्व में जिलें के समस्त राजपत्रित अधिकारीगण व थाना प्रभारियों के साथ-साथ सायबर सेल धार प्रभारी निरीक्षक दिनेश शर्मा को उचित कार्यवाही हेतु लगाया गया था। इसी तारतम्य में कल दिनांक 05.06.2023 को नगर पुलिस अधीक्षक धार देवेन्द्रसिंह धुर्वे को मुखबिर से सूचना मिली कि इन दिनो थाना तिरला क्षेत्रांतर्गत ग्राम खादनबुजुर्ग भडकला नाला पर हाथभट्टी की कच्ची महुआ से अवैध शराब बनाने का कारोबार किया जा रहा है। मुखबिर की सूचना पर से वरिष्ठ अधिकारियो को अवगत कराया जाकर नपुअ धार श्री देवेन्द्रसिंह के नेतृत्व में थाना प्रभारी तिरला निरीक्षक जयराज सोलंकी, थाना प्रभारी नौगांव निरीक्षक आनंद तिवारी, सायबर सेल प्रभारी निरीक्षक दिनेश शर्मा, थाना प्रभारी राजगढ़ निरीक्षक कमलसिंह पंवार, थाना प्रभारी पीथमपुर निरीक्षक समीर पाटीदार, यातायात प्रभारी धार सूबेदार रोहित निक्कम, सूबेदार रविन्द्र कुशवाह व पुलिस लाईन धार की टीम का गठन किया गया। उक्त टीम द्वारा संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए थाना तिरला के ग्राम खादनबुजुर्ग पहुंची, जहां भडकला नाला में पास भट्टी, कई सारे ड्रम व अन्य उपकरण मिले। आरोपीगण क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति का लाभ लेकर पुलिस के मौके पर आने के पहले ही भाग निकले। घटना स्थल पर कई हाथभट्टीया (आग जलाने के लिए चूल्हे) बने हुए थे, साथ ही कई प्लास्टिक व लोहे के ड्रमो में महुआ का लाहन मिला। टीम द्वारा मौके पर 41 प्लास्टिक के ड्रमो में महुआ लहान करीबन 8,000 लीटर कीमती 4,000/-रू. को नष्ट किया। थाना तिरला पुलिस द्वारा मौके से 41 प्लास्टिक के ड्रम, 04 नग लोहे के ड्रम, रबर के ट्यूब में भरी 147 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमती 15,550/- रू. को विधिवत रूप से जप्त कर अज्ञात आरोपियो के विरूद्ध थाना तिरला में अपराध क्रमांक 192, 193/23 धारा 34(2) आबकारी एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक श्री सिंह ने पूरी पुलिस टीम को बधाई दी है।

सुबह से चुभने वाली धूप, उमस से लोग परेशान,नौतपा के बाद भी कम नही हुई गर्मी

फतवा समाचार ◈ सिवनी

सिवनी में बुधवार सुबह से तेज धूप, गर्मी और उमस से लोग हलाकान हो रहे हैं। नौतपा की शुरूआत के साथ ही मौसम का मिजाज बदला था। और हल्की बूंदाबांदी के बाद तेज हवा और बाद में बारिश भी हुई। मौसम खुलने के बाद गर्मी और उमस बढ़ गई थी। वहीं अब नौतपा की समाप्ति के बाद भी शरीर को चुभने वाली धूप और उमस से लोग परेशान रहे हैं। बुधवार सुबह से तेज धूप के चलते लोग घर से मुंह पर कपड़ा बांधकर निकल रहे हैं। इन दिनों दोपहर में लू जैसी गर्म हवाएं चलती है। वही सड़कों पर भी दोपहर के समय आवाजाही कम दिखाई देती है। सुबह से गर्मी के कारण लोगो को एसी, कूलर, पंखे चालू करना पड़ रहा है।

कांग्रेस के प्रदर्शन पर भाजपा का पलटवार: जल संकट के लिए कांग्रेस कार्यकाल को ठहराया जिम्मेदार

फतवा समाचार ◈ बड़वानी

कांग्रेस ने नगर पालिका परिसर में जल संकट को लेकर सोमवार को जमकर हंगामा किया था। इस दौरान नगरपालिका के सामने मटके फोड़े थे। उसी के चलते मंगलवार को नगर पालिका ने प्रदर्श- को निंदनीय बताया, और प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जल संकट के लिए कांग्रेस की पूर्व परिषदों को जिम्मेदार ठहराया। जहां प्रेस कॉन्फ्रेंस को नगर पालिका अध्यक्ष अश्विनी चौहान को संबोधित करना था। वहीं, प्रेस कॉन्फ्रेंस भाजपा के जिला महामंत्री विक्रम चौहान द्वारा संबोधित की गई ' उन्होंने कांग्रेस को घेरते हुए बताया कि हम सभी को मालूम है, कि हमारे नगर में गर्मी के चलते जलस्तर में गिरावट आई है। साथ ही 20 से 25 साल पुराने मोटर पंप लगे हुए हैं। इस कारण से जल प्रदाय दो-तीन दिन छोड़कर हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी को कांग्रेस ने अवसर बनाते हुए राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिये प्रदर्शन किया

जबकि आज जिस संकट से हम गुजर रहे हैं, उसके लिये पूर्ण रूप से कांग्रेस की पूर्व परिषद जिम्मेदार हैं। 20 से 25 साल पुराने पंप बदले जाने थे। पूर्व परिषद ने टेंडर भी निकाले और टेंडर खुले भी, लेकिन अज्ञात कारणों से पंप नहीं खरीदे गए। नगर की जलापूर्ति व्यवस्था को अपने हाल पर छोड़ दिया और अब भाजपा की परिषद बने हुए तीन चार महीने हुए हैं और हमने बनते ही जल प्रदाय को लेकर जो भी दूरगामी कदम उठाना चाहिए थे , वे उठाये है और तुरंत पंप को रिपेयर करवाया गया ,जो एक-दो दिन में चलने लगेगा। इसके अलावा हमने कंपनी के इंजीनियर को बुलवाकर यहां की आवश्यकता के अनुसार पंप डिजाइन करने के लिए बोला है, मगर उसके लिए समय लगेगा। पूर्व की परिषद यदि ध्यान देती और पंप लगवा देती तो इस तरीके की जल संकट जैसी स्थिति पैदा नहीं होती। नया पंप इंस्टॉल होने में 3 से 4 महीने लगेंगे, और नए ई इंटेकवेल के लिए भी मुख्यमंत्री से बात हुई है, झाबुआ में आवेदन दिया है।

विश्व खाद दिवस पर विशेष : खाद्य पदार्थों के सैंपल की जांच रिपोर्ट में हो रही देरी,लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा विपरीत प्रभाव

फतवा समाचार ◈ सिवनी

सिवनी जिले में कई खाद्य प्रतिष्ठान खराब क्वालिटी की सामग्री बना और बेच रहे हैं। जिसके कारण लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। खाद्य सुरक्षा विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है लेकिन विलंब से सैंपल की रिपोर्ट आने के कारण खराब क्वालिटी की खाद्य सामग्री पर रोक नहीं लग रही । सिवनी जिले में प्रयोग किए जाने वाले मसाला, सोयाबीन,फल्लीदाना सहित अन्य खाद्य सामग्रियां पदार्थों के सैंपल लिए जा रहे हैं। जिले में सैकड़ों खाद्य प्रतिष्ठान हैं। जिनमें मिठाई, नमकीन सहित अन्य खाद्य पदार्थ बेचे जा रहे हैं। जिनमें मिलावट भी हो रही है।वही खाद्य सुरक्षा विभाग की माने तो जनवरी से जून तक जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से जांच टीम द्वारा 222 पदार्थो के नमूने एकत्रित किए हैं। और उन्हें राज्य खाद्य परीक्षण केंद्र प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया है। जहां 3 जून तक इनमें से एक मात्र 120 पदार्थों के नमूनों की रिपोर्ट प्राप्त हो पाई है। वहीं 102 खाद पदार्थों के नमूने की जांच रिपोर्ट प्राप्त नही हुई। जिनमें से 34 नमूने फेल हुए। 34 नमूने में 23 मिसब्रांड, एक निषिद्ध, 7 सबस्टैंडर्ड तथा 3 असुरक्षित पाए गए। खाद एवं सुरक्षा विभाग प्रशासन टीम की सोनू तिवारी, श्रद्धा विनोदिया, महेंद्र परते द्वारा जिले के अलग-अलग हिस्सों में जाकर खाद के नमूने लेते हुए व्यापारी को सुधार सूचना पत्र जारी किया जा रहा है। वही खाद्य पदार्थों के नमूने मैं मसाला, सोयाबीन, तेल, पोहा, मिनरल वाटर, मावा, पेड़ा,टोस्ट,फली दाना, मिल्क क्रीम, मुरमुरे, पापड़, मिठाइयां सहित कई खाद पदार्थ सम्मिलित हैं।

वही जांच दल द्वारा जिन खाद्य प्रतिष्ठानों की शिकायत प्राप्त होती है। वहां जाकर सैंपल लेते हुए कार्यवाही कर खाद सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 36 के तहत सुधार सूचना पत्र जारी किया जाता है और समझाइश भी दी जाती है। वहीं डॉक्टर लोगों को संतुलित आहार और गुणवत्तायुक्त खाद्य पदार्थ खाने की सलाह देते हैं। न्यूट्रीशियन सुरभि साहू का कहना है कि हर आयु वर्ग और कार्यक्षेत्र के लिए अलग-अलग जरूरत होती है। ऐसे में अपनी जरूरतों के हिसाब से भोजन किया जाना चाहिए। फलों एवं सब्जियों आदि को भी आवश्यक शामिल करें। कई खाद्य पदार्थ पेट तो भरते हैं लेकिन ऊर्जा नहीं देते। जिसके कारण शरीर को पोषण नहीं मिल पाता। साथ ही यह भी कहना है कि खानपान मिलावटी चीजों का उपयोग करने से बचना चाहिए। और यदि मिलावट वाली वस्तु की बिक्री की जानकारी मिले तो विभाग के अधिकारियों को सूचित करना चाहिए।

प्रसव के मामलों में ए.एन.सी के दौरान नियमानुसार जांच न करना पडा भारी

2 चिकित्सा अधिकारी , 4 नर्सिंग आफिसर सहित 8 ए.एन.एम कुल 14 से स्पटीकरण तलब

कमलेन्द्र पटेल ◈ कटनी

कलेक्टर अवि प्रसाद द्वारा स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की गुणवत्ता के सुधार तथा मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने सहित प्रसव रेफरल मामलों की प्रतिदिन की जा रही है। विगत दिवस स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही बरतने पर 2 चिकित्सा अधिकारी एवं 4 नर्सिंग आफिसर सहित 8 ए.एन.एम को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। समीक्षा के दौरान यह पता चला कि गर्भवती महिलाओं की ए.एन.सी के दौरान की जानें वाली जांचों के 10 प्रकरणों में से मात्र 4 प्रकरणों में 2 जांचें ही की गई थी, शेष 6 प्रकरणों में एक भी जांचें नहीं किया जाना पाया गया तथा गर्भवती महिलाओं को 108 एम्बुलेंस वाहन से प्रसव हेतु जिला चिकित्सालय रेफर किया गया। जबकि नियमानुसार एन.एन.सी के दौरान 4 जांचें करनी आवश्यक है। उपरोक्त प्रकरणों में जिला चिकित्सालय कटनी के चिकित्सक एवं स्टाफ नर्स द्वारा गर्भवती महिलाओं को प्रसव हेतु जिला चिकत्सालय में रिफर करना सही नहीं बताये जाने पर कलेक्टर श्री प्रसाद ने चिकित्सा अधिकारियों, नर्सिंग आफिसर सहित ए.एन.एम के इस कृत्यों को अपने पदीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही मानते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि संबंधित 14 स्वास्थ्य कर्मियों से स्पष्टीकरण तलब किया जाये।

उपस्वास्थ्य केन्द्र उमरिया ब्लॉक रीठी की भागवती प्रजापति, शुक्लपिपरिया केन्द्र बलॉक ढीमरखेड़ा की सुमन लोघी, ब्लाक बहोरीबंद के उपस्वास्थ्य केन्द्र बाकल की गायत्री सोनी एवं उपस्वास्थ्य केन्द्र छपरा की सावित्री सिंह, बलॉक विजयराघवगढ़ उपस्वास्थ्य केन्द्र डीघी की उमा कोल एवं उपस्वास्थ्य केन्द्र बम्हौरी की मोनू इनवाती सहित उपस्वास्थ्य केन्द्र गुहावल की ए.एन.एम उमा कोल द्वारा ए.एन.सी के दौरान नियमानुसार जांचें नहीं किये जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया जाकर दो दिनों के भीतर जवाब तलब किया गया है।

कलेक्टर श्री प्रसाद ने कहा कि हम सबको जिंदगी बचाने का दायित्व नियति और सौभाग्य से मिला है। इसलिए आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने की दिशा में सीमित संसाधनों के बाद भी बेहतर और कारगर प्रयास किये जाने चाहिए। स्वास्थ्य के मामले में जीरो टालरेंस की नीति पर अमल सुनिश्चित किया जाये।

इन्हे जारी हुआ नोटिस, दो दिवस में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश

कलेक्टर अवि प्रसाद के निर्देश के बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नें सिविल अस्पताल विजयराघवगढ़ में पदस्थ्य चिकित्सा अधिकारी नुरूल हसन एवं नर्सिंग आफिसर प्रीती पटेल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रीठी के चिकित्सा अधिकारी विश्वास त्रिपाठी तथा दो नर्सिंग आफिसर चेतना तुरकर एवं प्रतिमा यादव सहित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ढीमरखेड़ा की नर्सिंग आफिसर युनीता चौहान एवं ए.एन.एम रामवती ठाकुर द्वारा ए.एन.सी के दौरान नियमानुसार जांचें नहीं किये जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया जाकर दो दिनों के भीतर जवाब तलब किया गया है।

सद्गुरु कबीर प्रकटोत्सव:नगर में निकाली शोभायात्रा; नर्मदा किनारे भजन संध्या और टॉपर विद्यार्थियों का सम्मान

फतवा समाचार ◈ डिंडौरी

डिंडौरी में सोमवार की शाम को सद्गुरु कबीर साहब प्रकटोत्सव को लेकर कबीर पंथियों ने नगर में शोभायात्रा निकाली। शोभायात्रा कबीर आश्रम से नर्मदा किनारे तक निकाली गई। शोभायात्रा में डीजे की धुन पर कबीर पंथ के युवक युवतियां थिरकते नजर आए। जनप्रतिनिधि ,जिला प्रशासन और पुलिस के जवान भी शोभायात्रा में शामिल रहे।देर शाम नर्मदा तट पर भजन संध्या कार्यक्रम और 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा में अच्छे नम्बरों से पास हुए छात्र छात्राओं का सम्मान किया गया। शाम को समनापुर समनापुर तिराहा में संचालित कबीर आश्रम से नगर भ्रमण करते हुए शोभायात्रा नर्मदा नदी किनारे आश्रम में पहुंची। नगर में कई जगह कबीर साहब की शोभायात्रा का स्थानीय स्वागत करते नजर आए। आतिशबाजी की गई। शोभायात्रा में जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रेश परस्ते, विधायक ओमकार मरकाम, नगर परिषद अध्यक्ष सुनीता सारस, पूर्व विधायक ओमप्रकाश धुर्वे, भाजपा जिला अध्यक्ष अवधराज बिलैया, कांग्रेस जिला अध्यक्ष अशोक पड़वार, भाजपा मीडिया प्रभारी सुधीर तिवारी सहित जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। जानकारी के अनुसार दसवीं कक्षा से यशिनी सोनवानी पिता यशवंत सोनवानी, नवनीत बघेल पिता सुधीर बघेल, सत्यजीत पिता दशरथ, अर्तिका खांडे, आशीष हंसराज पिता लालजू हंसराज वहीं 12वीं कक्षा से पूनम लावेश पिता सन्तोष लावेश, भोजराज पिता भागवत लाल, देवकी पिता भड्डूलाल, सावनी खांडे पिता सेवकदास, प्रभात बेलिया पिता राजेशदास बेलिया,अनुपमा पिता हुकूमदास, चूरामन पदम पिता हरीश कुमार पदम, जसवंत पिता सदाफल, आयुष कुमार गवले पिता हंसराज गवले का सम्मान किया गया।

24 बायसन संजय टाइगर रिजर्व के लिए रवाना, एक जून से जारी है अभियान

फतवा समाचार ◈ मंडला

मप्र वन विभाग गौर (इंडियन बायसन) को संजय टाइगर रिजर्व में बसाने की एक महत्वाकांक्षी योजना पर काम कर रहा है। इसके अंतर्गत 1 जून से लगातार प्रतिदिन विशेष वाहन से बायसन को कान्हा टाइगर रिजर्व से भेजा जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को चार मादा बायसन को कैप्चर कर विशेष वाहन से संजय टाइगर रिजर्व सीधी के लिए रवाना किया। एक जून से प्रारंभ हुए इस अभियान के अंतर्गत अब तक 24 गौर (बायसन) को संजय टाइगर रिजर्व भेजा जा चुका है।

चुनौतीपूर्ण अभियान

वैसे तो किसी भी वन्य प्राणियों को किसी अन्यत्र स्थान में भेजना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है, लेकिन जब भेजे जाने वाले जानवर एक टन तक वजनी हो तो ये चुनौती और भी बढ़ जाती है। सर्वप्रथम बायसन को हाथियों मदद से ट्रेंकुलाइज कर कैप्चर किया जाता है।

वन्यप्राणियों को ट्रांसफर करना चुनौतीपूर्ण

इसके बाद विशेष वाहन से करीब 400 किमी दूर संजय टाइगर रिजर्व भेजा जा रहा है। इस सफर में करीब 14 से 16 घंटे का समय लगता है। इस दौरान विशेषज्ञ डॉक्टर्स ने बायसन के स्वास्थ्य पर लगातार निगरानी रखी जाती है।

एक माह से चल रही तैयारी

इस अभियान के लिए वन विभाग और कान्हा पार्क प्रबंधन महीनों से तैयारी में जुटा हुआ था। सभी तैयारियां पूर्ण होने के बाद इस मैराथन कार्रवाई की शुरूआत 1 जून से हुई है। 1 जून को दो नर एवं दो मादा सहित कुल 4, 2 जून को पांच मादा एवं एक नर सहित कुल 6, 3 जून को तीन मादा, 4 जून को दो मादा, 5 जून को तीन नर एवं दो मादा सहित कुल 5 और 6 जून को चार मादा बायसन को संजय टाइगर रिजर्व सीधी भेजा गया। इस तरह से अब तक कुल 24 बायसन भेजे जा चुके हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर नेहरू गार्डन में कार्यक्रम चित्रकला व वॉलपेंटिंग से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

पौधारोपण कर ली सुरक्षा व संरक्षण की शपथ

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम का संचालन अखिलेश उपाध्याय ने किया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ रानी बाटड़, एसी ट्राइबल विजय तेकाम, रंजीत गुप्ता, मुकेश पांडे, गजानन नाफड़े, राजेश छत्री, ब्रम्हकुमारी आश्रम की दीदियां सहित बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे और अन्य उपस्थित रहे।

फतवा समाचार ◈ मंडला

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नेहरू गार्डन में कार्यक्रम आयोजित किया। पर्यावरण के प्रति जन जागृति के उद्देश्य से स्कूली बच्चों की चित्रकला और वॉलपेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की। बच्चों ने चित्रकला से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान उपस्थित बच्चों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण सुरक्षा और संरक्षण की शपथ ली। कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम और नपा अध्यक्ष विनोद कछवाहा ने उपस्थित लोगों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। संजय कुशराम ने कहा कि हम अपनी छोटी-छोटी आदतों से पर्यावरण संरक्षण के लिए बड़ा कार्य कर सकते हैं। आवश्यकता न होने पर बिजली, पंखे, लाइट का बटन बंद करें। नल से पानी व्यर्थ न बहाने दें और टोंटी को बंद करें, उसे आवश्यकतानुसार उपयोग करें। उन्होंने कहा कि हम संकल्प लें कि पर्यावरण को इस तरह से संरक्षित करें कि वह हमारी जीवन शैली बने। हमारी जीवन शैली का परिवर्तन कर हमारे पर्यावरण को संरक्षण दें।

छोटे-छोटे बदलाव से करें पर्यावरण का संरक्षण

इस दौरान कलेक्टर डॉ सलोनी सिडाना ने कहा कि पर्यावरण के अंतर्गत प्लांट, पानी, प्रदूषण नियंत्रण, प्लास्टिक पर नियंत्रण, स्वच्छता आदि आते हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण बचाने के लिए हमें कुछ अभूतपूर्व नहीं करना है। हम अपनी जिंदगी में छोटे-छोटे बदलाव जैसे बिजली व्यर्थ न करें, यहां-वहां कचरा न फेंक कर भी पर्यावरण को बचा सकते हैं।

ब्लॉक ढीमरखेड़ा में ग्राम पंचायत कचनारी में लाडली बहना योजना के अंतर्गत मेंहदी एवं रंगोली कार्यक्रम आयोजित

कटनी - जिला कलेक्टर श्री अवि प्रसाद जी के मार्गदर्शन एवं रिसर्च एसोसिएट श्री सुदीप शहाने जी के निर्देशन में मुख्यमंत्री जन सेवा मित्रो के द्वारा कटनी जिला के ब्लॉक ढीमरखेड़ा में ग्राम पंचायत कचनारी में लाडली बहना योजना के अंतर्गत मेंहदी एवं रंगोली कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे महिलाओ को मेंहदी लगाकर योजना की पूर्ण रूप से जानकारी दी गई । इस योजना से जुड़ी हुई पात्र महिलाएं बहुत ही खुश नजर आई। साथ ही मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी को हृदय से धन्यवाद दिया।

वार्डो में लाड़ली बहनों को मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के स्वीकृति पत्र वितरित का कार्य जारी

कटनी - सरकार महिलाओं की उन्नती और विकास के लिए विभिन्न योजनाओं का संचालन कर रही है जिनमें से राज्य सरकार द्वारा एक नई योजना मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना 2023 प्रारंभ की गई है। योजना के तहत पात्र महिलाओं के स्वीकृति पत्रों का वितरण किया जा रहा है तथा 10 जून को प्रत्येक पात्र महिला हितग्राही के खाते में एक हजार रुपए की राशि प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा डिजिटल के माध्यम से हस्तांतरित की जायेगी। नोडल अधिकारी पवन कुमार अहिरवार ने बताया कि नगर पालिक निगम कटनी क्षेत्र के समस्त वार्डो में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना 2023 में पात्र बहनों को 1 जून से स्वीकृत पत्र का वितरण महापौर प्रीति संजीव सूरी, निगमाध्यक्ष मनीष पाठक सहित क्षेत्रीय पार्षदों एवं शासकीय अधिकारियों की उपस्थिति में निरंतर जारी है। स्वीकृति पत्र मिलनें से लाड़ली बहनों में खुशी का माहौल व्याप्त है। सोमवार को अभियान चलाकर बाल गंगाधर तिलक वार्ड, बिरसा मुंडा वार्ड, लाल बहादुर शास्त्री वार्ड, इंदिरा गांधी वार्ड, राम मनोहर लोहिया वार्ड, जालपा देवी वार्ड, महात्मा गांधी वार्ड, जयप्रकाश वार्ड, वीर सावरकर वार्ड, वेंकट वार्ड, आचार्य विनोवा भावे वार्ड, जगजीवन राम वार्ड, राम जानकी हनुमान वार्ड, पंडित दीनदयाल उपाध्याय वार्ड, जाकिर हुसैन वार्ड, शिवाजी वार्ड, अंबेडकर वार्ड, ईश्वरी पुरा वार्ड, पंडित जवाहर लाल नेहरू वार्ड, श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड, हेमू कालाणी वार्ड, बाबा नारायण शाह वार्ड, संत कवरराम वार्ड, कावस जी वार्ड, महाराणा प्रताप वार्ड सहित अन्य वार्डो में पात्र महिला हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र का वितरण स्थानीय पार्षदों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया गया। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा महिलाओं को सशक्त बनाने एवं अपनी आवश्कता के लिए लाड़ली बहनों को प्रतिमाह एक हजार रुपए देने का संकल्प प्रदेश सरकार ने किया है। जिससे सभी बहनें सशक्त बनेंगी।

खाली बर्तन लेकर कलेक्ट्रेट पहुंची ग्रामीण महिलाएं बोली

तीन माह से नल जल योजना बंद

फतवा समाचार ◈ डिंडौरी

मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में मेहद्भवानी जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम पंचायत बुलदा के पोषक ग्राम पिंडरुखी गांव की दर्जनों महिला और पुरुष विरोध में खाली बर्तन लेकर पहुंच गए। कलेक्टर के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा और जल्दी पेयजल उपलब्ध करवाने की मांग की है।

अधिकारी बोले- जल्दी मिलेगा पानी

पिंडरुखी गांव से आई महिलाएं लालो बाई, सावित्री बाई, दुर्गा, द्रोपती, सुखमती बाई ने बताया कि गांव में लगभग सात सौ की आबादी है। नल जल योजना पिछले तीन माह से बन्द पड़ी है। हैंडपंप से पानी नहीं निकल रहा है। दूर-दूर तक पीने और निस्तार के पानी के लिए गांव वालों को भटकना पड़ रहा है। कई बार पीएचई के अधिकारियों को शिकायत भी की, लेकिन पानी नहीं मिल पा रहा है। मजबूरन खाली बर्तन लेकर कलेक्ट्रेट आए हैं।

SDM ने फोन पर अधिकारियों को दिया निर्देश

ग्रामीण महिलाओं की पेयजल की मांग सुनते ही एसडीएम राम बाबू देवांगन ने पीएचई अधिकारियों को फोन लगाकर जल्दी पानी की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए हैं। एसडीएम ने बताया कि नल जल योजना की मोटर जल गई है, उसे ठीक कराकर पानी उपलब्ध करवाएंगे। ग्रामीण नया बोर की मांग कर रहे हैं। आवेदन को कलेक्टर साहब के समक्ष रखा जाएगा।

जनसहयोग से धनवाही तालाब का गहरीकरण कार्य शुरू

तालाब को पुर्नजीवित करनें भगीरथ बने कलेक्टर श्री प्रसाद के आव्हान पर उठे हजारों हाथ

कमलेन्द्र पटेल ◈ कटनी

स्लीमनाबाद क्षेत्र के ग्राम कौड़िया स्थित धनवाही तालाब के सिमटते अस्तित्व को फिर से पल्लवित करने भगिरथ बने कलेक्टर अवि प्रसाद ने यहां मंगलवार से शुरू जनभागीदारी अभियान का निरीक्षण किया। यहां ग्रामीणों की सहभागिता से तालाब के गहरीकरण के जल यज्ञ में श्रम और सहयोग की आहुति का अनुष्ठान चल रहा है। करीब 70 वर्ष पुराने इस तालाब के जीर्णोद्धार कार्य के प्रणेता और सूत्रधार बने कलेक्टर श्री प्रसाद के आव्हान पर ग्रामीणों के उठे हजारों हाथ तालाब को पानीदार बनाने की संकल्प शक्ति के साथ जुटे हैं। मानसून मे बूंदों को सहेज कर तालाब मे अथाह जलराशि संचयन की कोशिशों को अमलीजामा पहनानें के लिए मार्गदर्शक बने कलेक्टर श्री प्रसाद। जिनके निदेशों पर बहोरीबंद एसडीएम प्रदीप कुमार मिश्रा ने 63 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले इस विशाल तालाब को पानीदार बनाने ग्रामीणों से सहभागिता का आव्हान किया। वर्ष 1952 में बने इस धनवाही तालाब के मंगलवार से शुरू गहरीकरण कार्य में पहले ही दिन एक जेसीबी मशीन सहित 43 ट्रैक्टर का जन सहयोग मिला। इस नेक कार्य में सहभागी बनने कई लोगों ने पहल कर भागीदारी की पेशकश की है।

तालाब गहरीकरण के जलयज्ञ में श्रम और सहयोग की आहुति का अनुष्ठान शुरू

एसडीएम श्री मिश्रा ने बताया कि बुधवार को करीब 100 ट्रेक्टर जन सहयोग से तालाब गहरीकरण कार्य में भागीदार बनेंगे। एसडीएम श्री मिश्रा बताते हैं कि, कभी 12 महीने पानी से लबालब भरा रहने वाला यह धनवाही तालाब अब मई-जून माह में ही सूख जाता है। कुछ साल पहले तक इस तालाब से करीब 215 हेक्टेयर भू- क्षेत्र की सिंचाई होती थी। विशेषज्ञ इंजीनियरों का अनुमान है कि वर्षा के दौरान तालाब के अगोर से कट-कट कर आई साल- दर -साल मिट्टी से तालाब उथला हो गया है। एक अनुमान के मुताबिक करीब 5 से 6 मीटर मिट्टी का जमाव होने से तालाब पट गया। जिससे इसकी जल संग्रहण क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

तालाब का गहरीकरण हो जाने से उसमें बारहमासी पानी का ठहराव होगा। फसलों की सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिलेगा। आस-पास के ग्रामों का भू-जल स्तर बढ़ेगा। मवेशियों और क्षेत्रीय निस्तार के लिए भरपूर पानी मिलेगा।

कलेक्टर ने आमजनों के 169 आवेदन पत्रों में की जन सुनवाई

फतवा समाचार ◈ रीवा

आमजनता के आवेदन पत्रों पर सुनवाई तथा समस्याओं के निराकरण के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में जन सुनवाई का आयोजन किया गया। जन सुनवाई में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने आमजनता के 169 आवेदन पत्रों में सुनवाई की। जन सुनवाई में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सौरभ सोनवणे, अपर कलेक्टर नीलमणि अग्निहोत्री, संयुक्त कलेक्टर संजीव पाण्डेय ने भी जन सुनवाई के आवेदन पत्रों का निराकरण किया। जन सुनवाई में सीमांकन, बंटवारा, नामांतरण, उपचार सहायता, पेंशन तथा शासकीय भूमि से अवैध कब्जा हटाने तथा अन्य आवेदन पत्रों की सुनवाई की गई। कलेक्टर ने कहा कि जन सुनवाई और सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त सीमांकन तथा बंटवारे के सभी प्रकरणों का अपर कलेक्टर 7 दिवस में निराकरण सुनिश्चित करें।

जन सुनवाई में पीरबानो निवासी घोघर रीवा ने आवासीय पट्टे के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने एसडीएम हुजूर को प्रकरण में कार्यवाही के निर्देश दिए। बृजेश द्विवेदी निवासी भौखरी ने ग्राम सगरा में उनकी भूमि का सीमांकन के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने एसडीएम हुजूर को प्रकरण में कार्यवाही के निर्देश दिए। अनूप तिवारी निवासी रीवा ने शहर के 55 एकड़ के लखौरीबाग तालाब में भू माफियाओं द्वारा किए जा रहे अवैध कब्जे को रोकने के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने एसडीएम हुजूर को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। वीरेन्द्र सिंह निवासी तिघरा हुब्बलाल निवास ग्राम अगडाल श्यामबिहारी दुबे निवासी देवरा फरेदा तथा मोहम्मद निजामुद्दीन निवासी खौर ने सीमांकन के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने संबंधित तहसीलदारों को प्रकरणों के निराकरण के निर्देश दिए। जन सुनवाई में लल्लू प्रसाद त्रिपाठी अध्यक्ष पुजारी महासंघ ने लक्ष्मणबाग संस्थान के पुजारियों को बढ़े हुए मानदेय के भुगतान के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने एसडीएम हुजूर तथा कार्यपालन अधिकारी लक्ष्मणबाग संस्थान को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। लल्लू प्रसाद तिवारी निवासी सेमरिया ने नगर के शासकीय तालाब में पानी की आवक की व्यवस्था के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने सीएमओ सेमरिया को इस संबंध में कार्यवाही के निर्देश दिए। श्यामसुंदर साकेत निवासी गढ़वा ने शासकीय जमीन से अवैध कब्जा हटाने के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने तहसीलदार हुजूर को मौके पर जाकर कार्यवाही के निर्देश दिए। रामलल्लू प्रजापति निवासी जोरौट ने शासकीय हैण्डपंप को अवैध कब्जे से मुक्त कराने के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने एसडीएम मऊगंज तथा कार्यपालन यंत्री पीएचई को प्रकरण में कार्यवाही के निर्देश दिए। राशिदा परवीन निवासी अर्जुन नगर रीवा ने नक्शा तरमीम के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने तहसीलदार हुजूर को तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए। जन सुनवाई में सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जल जीवन मिशन अंतर्गत कार्यशाला संपन्न
जिले के हर घर को मिलेगा नल से स्वच्छ जल

फतवा समाचार ◈ रीवा

जिले में जल जीवन मिशन एवं नल जल योजनाओं से हर घर को स्वच्छ पानी पहुंचाने की योजना का कार्य प्रगति पर है। जिला प्रशासन के संयोजकत्व में जल जीवन मिशन द्वारा जिले की ऐसी ग्राम पंचायतों जहाँ हर घर में पानी पहुंचेगा, के जनप्रतिनिधियों, विभागीय अधिकारियों एवं रोजगार सहायकों सहित ग्रामीण क्षेत्र से संबद्ध कर्मचारियों की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यशाला में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल ने रीवा, सिरमौर एवं रायपुर कर्चुलियान जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों के समन्वय से जिले में विकास के कार्य संचालित हैं। गांव के जनप्रतिनिधि का दायित्व है कि वह अपने गांव में सर्वे के दौरान यह सुनिश्चित कराएं कि अंतिम छोर के घर तक नल से जल पहुंचे। इसके साथ ही नलजल योजना के संचालन का भी दायित्व लेकर इसके निर्बाध संचालन में अपनी भूमिका का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि यह अति महत्वपूर्ण योजना है अतः इसके क्रियान्वयन में ग्रामवासी समवेत होकर घर-घर तक पानी पहुंचाने की जिम्मेदारी का निर्वहन करें।

इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य है कि योजना के क्रियान्वयन के पूर्व सर्वे, टंकी निर्माण स्थल, पाइप लाइन बिछाने, इंटेक वेल निर्माण आदि कार्य पूर्व कार्ययोजना अनुसार तय कर लिए जाएं ताकि गांव में इस योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की बाधा न हो। उन्होंने कहा कि रीवा जिले के हर घर में स्वच्छ जल नल के माध्यम से पहुंचेगा अतः ग्रामवासी इस योजना के क्रियान्वयन में सकारात्मक मानसिकता के साथ सहयोग करें। गांव के जनप्रतिनिधि अपनी उपस्थिति में सर्वे कराएं तथा अपने गांव के कार्य को समझ कर क्रियान्वयन में सहभागी बनें। उन्होंने आश्वस्त किया कि पुरानी योजनाओं की कमियों व दिक्कतों को इस योजना से दूर कराया जाएगा। कार्यशाला में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सौरभ सोनवणे ने बताया कि अभी तक ग्रामीण आबादी की पानी की निर्भरता भूजल से थी मगर इस योजना से सतही जल को स्वच्छ कर घर-घर तक पहुंचाया जाएगा। पंचायतों में सर्वे के साथ अन्य कार्य प्रारंभ होंगे अतः ग्रामवासी व जनप्रतिनिधि इसके क्रियान्वयन में सहयोगी बनें। उन्होंने कहा कि योजना के संचालन का दायित्व भी स्वसहायता समूह या जल संचालन समिति का है अतः ग्रामवासी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी श्री राजेश पाण्डेय ने अपने सुझाव देते हुए कहा कि रीवा जिले में 2346 गांवों में से 2041 गांव जल निगम से, 109 गांव कंदैला योजना से, 196 गांव पीएचई विभाग की जल प्रदाय योजनाओं से लाभान्वित हो रहे हैं। अति महत्वाकांक्षी योजना से जिले के हर घर को स्वच्छ पानी मिलेगा। जल स्वच्छता समिति व ग्राम पंचायतें इस कार्य में सहयोगी बनें। जल जीवन मिशन के शाहिद अहमद ने बताया कि जिले में 150.94 करोड़ रुपए की लागत से कंदैला परियोजना से 109 गांवों में पानी पहुंचाने का कार्य प्रगतिरत है। इसी प्रकार दो अन्य परियोजनाओं रीवा-बाणसागर परियोजना से 1411 गांवों में व सतना बाणसागर समूह जल प्रदाय योजना से 995 गांवों के घर-घर में स्वच्छ पानी पहुंचाने के लिए सर्वे का कार्य प्रारंभ है। अब हैण्डपंप से नहीं बल्कि पाइपलाइन से जिले के हर ग्रामीण घर में स्वच्छ पानी पहुंचेगा। उन्होंने ग्रामवासियों से इस कार्य में सहयोग की अपेक्षा की। कार्यशाला में उपस्थित जनप्रतिनिधियों व ग्राम पंचायतों के सरपंचों ने भी अपने सुझाव दिए। इस दौरान जनपद सदस्य श्रीमती सुनीता द्विवेदी, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती आरती पटेल, जनपद अध्यक्ष रायपुर कर्चुलियान श्रीमती सुनीता सिंह, विधायक प्रतिनिधि गुढ़ श्री ढिल्लन सिंह सहित ग्रामीणजन, उपयंत्री व परियोजना से जुड़े अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

चौकी पिपराँव थाना रामपुर नैकिन पुलिस को मिली बड़ी सफलता

नरेंद्र त्रिपाठी ◈ सीधी

अपहृत नाबालिग बालिका को गुजरात के अहमदाबाद शहर से दस्तयाब कर किया परिजनों के सुपुर्द

वही 10 साल पुराने स्थाई वारंटी को गिरफ्तार कर पहुंचाया सलाखों के पीछे

पुलिस अधीक्षक डॉ. रविंद्र वर्मा (भापुसे) द्वारा गुमशुदा एवं अपहत नाबालिग बालक बालिकाओं को अभियान चलाकर दस्तयाब करने एवं लंबे समय से फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए समस्त थाना/चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया है जिससे जिला पुलिस सीधी को गुमशुदा एवं अपहत नाबालिग बालक बालिकाओं को दस्तयाब करने एवं फरार आरोपियों की गिरफ्तारी में लगातार सफलता मिल रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुश्री अंजूलता पटले एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस चुरहट श्री विवेक गौत्तम के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रामपुर नैकिन श्री सुधांशु तिवारी के नेतृत्व में चौकी प्रभारी पिपरांव उनि विवेक द्विवेदी की टीम द्वारा अपहत नाबालिग बालिका को गुजरात के अहमदाबाद शहर से दस्तयाब करने में सफलता प्राप्त की वही 10 साल पुराने स्थाई वारंटी को किया गिरफ्तार।

मामलें का संक्षिप्त विवरण: (1) दिनांक 01/01/2023 को फरियादी द्वारा चौकी उपस्थित आकर रिपोर्ट की थी कि उसकी नाबालिग लड़की को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसला कर ले गया है जिस पर से चौकी पिपरांव थाना रामपुर नैकिन में धारा 363 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। अपहत नाबालिग बालिका को दस्तयाब करने के लिए चौकी पिपरांव थाना रामपुर नैकिन पुलिस द्वारा हर संभव प्रयास किए गए पुलिस अधीक्षक द्वारा अपहत बालिका की पतारशी के लिए नगद इनाम की घोषणा की गई थी। चौकी पिपरांव थाना रामपुर नैकिन पुलिस टीम द्वारा कड़ी मेहनत व लगन से कार्य करते हुये उच्च कोटि की व्यवसायिक एवं तकनीकी दक्षता का परिचय देते हुए उक्त बालिका को गुजरात के अहमदाबाद शहर से दस्तयाव कर वैधानिक कार्यवाही उपरान्त परिजनों को सुपुर्द किया गया । संपूर्ण कार्यवाही में चौकी प्रभारी पिपरांव उनि विवेक द्विवेदी, आर. जीतेन्द्र बघेल, यशवंत तलवारे एवं सायबर सेल सीधी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। थाना रामपुर नैकिन के अपराध क्र 382/12 धारा 279,337,338 भा.द.वि. के आरोपी के विरुद्ध माननीय न्यायालय प्रथम श्रेणी रामपुर नैकिन में प्रक्र. 2044/13 के माध्यम से चालानी कार्यवाही की गई थी। आरोपी का माननीय न्यायालय में पेश न होने पर माननीय न्यायालय प्रथम श्रेणी रामपुर नैकिन द्वारा आरोपी कल्पधारी पटेल पिता रामलाल पटेल निवासी बड़ागांव थाना अमिलिया के विरुद्ध स्थायी वारंट जारी किया गया था। उक्त वारंटी काफी दिनों से फरार चल रहा था जिसे पिपरांव पुलिस द्वारा पता तलाश कर बड़ागांव थाना अमिलिया से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। उपर्युक्त वारंटी की गिरफ्तारी में चौकी प्रभारी पिपरांव उनि विवेक द्विवेदी, आर. रामायण मिश्रा, जीतेन्द्र बघेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विवाह समारोह मे कट्टे से गोली मारने वाले आरोपियों को सिविल लाइन पुलिस ने किया गिरफ्तार

श्रीधर सिंह ◈ सतना

पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता के निर्देशन में सीएसपी महेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी रूपेन्द्र राजपूत के नेतृत्व में की गई कार्यवाही।

घटना का विवरण : फरियादी अमित उर्फ अप्पी तिवारी पिता अशोक तिवारी उम्र 39 साल निवासी आकाशगंगा नगर पतेरी थाना सिविल लाइन सतना का रिपोर्ट लेख कराया कि दिनांक 05.06.2023 को मोहल्ले मे देवराज मिश्रा की बेटी की शादी में सम्मिलित होने देवराज मिश्रा के घर आकाशगंगा नगर पतेरी गया था, देवराज मिश्रा के घर के गेट के पास रात करीबन 10.30 बजे पहुंचा तभी वहाँ पर पहले मुन्नीलाल उर्फ रोहित पाण्डेय, राजकिशोर उर्फ राजू पाण्डेय, शिवम पाण्डेय खडे मिले, मुन्नीलाल पाण्डेय उर्फ रोहित पाण्डेय ने उसे बात करने का बहाना कर किनारे बुलाया, तभी आरोपी राजकिशोर उर्फ राजू पाण्डेय व शिवम पाण्डेय आकर उसे पकड लिये और आरोपी मुन्नीलाल उर्फ रोहित पाण्डेय ने जान से मारने की नियत से अपने पास रखे कट्टा से गोली मार दिया गोली उसके पेट मे लगी जिससे से खून बहने लगा, तब पास पड़ोस के लोग जिला अस्पताल सतना ले जाकर भर्ती कराये, जहाँ से रेफर होकर बिरला हास्पिटल सतना मे इलाज चल रहा है । रिपोर्ट पर आरोपीगण के विरूद्ध अपराध क्र. 351/2023 धारा 307, 34 भादवि का कायम आरोपीगण की तलाश पता कर गिरफ्तार किया गया, आरोपी मुन्नीलाल उर्फ रोहित पाण्डेय के कब्जे से एक देशी कट्टा व एक जिन्दा कारतूस बरामद किया गया है, आरोपीगण को माननीय न्यायालय पेश किया गया जिन्हे केन्द्रीय जेल सतना भेजा गया ।

गिरफ्तार आरोपी-

1. रोहित पाण्डेय उर्फ मुन्नीलाल पाण्डेय पिता ननकू प्रसाद पाण्डेय उम्र 35 वर्ष।
2. राजकिशोर पाण्डेय उर्फ राजू पिता ननकू प्रसाद पाण्डेय उम्र 39 वर्ष।
3. शिवम पाण्डेय पिता नारेन्द्र पाण्डेय उम्र 25 वर्ष सभी निवासी आकाश गंगा नगर दक्षिणी पतेरी सतना थाना सिविल लाइन सतना।

सराहनीय कार्य- थाना प्रभारी सिविल लाइन रूपेन्द्र राजपूत , उप निरीक्षक सुभाष चन्द्र वर्मा, उप निरीक्षक अजीत सिंह, सउनि हीरालाल मिश्रा, सउनि रामायण सिंह, सउनि दीपेश पटेल, सउनि राजेन्द्र मिश्रा, प्र.आर. प्रवीण तिवारी, संदीप तिवारी, जीतेन्द्र द्विवेदी, आर. प्रशांत परौहा, शिवम शुक्ला, गगन मंलोई, अंकिता सिंह, प्र. आर. रामानुज शर्मा, चालक रविशंकर पाण्डेय।

जनसुनवाई में संयुक्त कलेक्टर ने की 155 आवेदन पत्रों पर जन सुनवाई

फतवा समाचार ◈ सिंगरौली

कई समस्याओ का जन सुनवाई में उपस्थित अधिकारियो से कलेक्टर ने कराया निराकृत

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जन सुनवाई में संयुक्त राजेश शुक्ला के द्वारा 155 आवेदन पत्रो पर जन सुनवाई की गई। विदित हो कि कलेक्टर सभागार में आयोजित जन सुनवाई में जिले के विभिन्न अंचलो से आये 155 व्यक्तियो द्वारा अपनी समस्याओ से अवगत कराते हुये जन सुनवाई कर रहे अपर कलेक्टर को अपना आवेदन दिया गया। जिस पर अपर कलेक्टर द्वारा कई आवेदन पत्रो का जन सुनवाई में उपस्थित अधिकारियो के द्वारा त्वारित निराकरण कराया गया। तथा शेष आवेदन पत्रो को विभागीय अधिकारियो को आरे भेजते हुये निर्देश दिया गया कि निर्धारित समय सीमा में आवेदनो को निराकृत कर आवेदनकर्ता को अवगत कराये। जन सुनवाई में उपस्थित विभागीय अधिकारियो को निर्देश देते हुये अपर कलेक्टर श्री शुक्ला ने कहा कि जन सुनवाई में आने वाले आवेदनो पत्रो का निराकरण पूरी गंभीरता से करे। शासन की योजनाओ बंचित आवेदनकर्ताओ को उनकी पात्रता अनुसार योजनाओ के लाभ से लभान्वित कराये। आज की जन सुनवाई मे सर्वाधिक आवेदन जिले में कार्यरत औद्योगिक कम्पनियो में रोजगार दिलाने, भूमियो का उचित प्रतिकर दिलाये जाने के साथ ही अधिक आई विद्युत बिलो में सुधार कराने, पात्रता पर्ची में नाम जोड़ने से संबंधित प्राप्त हुये ।जन सुनवाई के दौरान डिप्टी कलेक्टर माईकल तिर्की सहित जिलाधिकारी उपस्थित रहे।

कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमरपाटन में समर कैंप का हुआ समापन

फतवा समाचार ◈ अमरपाटन

मध्यप्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग तथा जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वाधान में आयोजित विद्यालय स्तरीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमरपाटन में बड़े ही गरिमामई तरीके से मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अमरपाटन थाना के उप सहायक निरीक्षक समरजीत सिंह एवं कन्या विद्यालय प्राचार्य अनिल सिंह द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन किया गया। तत्पश्चात छात्र- छात्राओं को खेल के प्रति सजग रहने के लिए तथा राष्ट्रीय स्तर पर खेल प्रतिभा निखारने के लिए मुख्य अतिथि ने प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम उपरांत समस्त खिलाड़ियों को प्रशस्ति- पत्र से सम्मानित किया गया। 1 माह तक चले इस खेल गतिविधि में विशेष योगदान देने पर आरसी पटेल एवं विपिन सोनी को विशिष्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ज्ञात हो कि खेल एवं युवा कल्याण विभाग अमरपाटन क्वार्डिनेटर पूनम पटेल, विकासखंड क्रीड़ा अधिकारी नरेंद्र सोनी, श्रीलाल गौतम के मार्गदर्शन में यह समर कैंप 5 मई 2023 से 5 जून 2023 तक चले इस समर कैंप में छात्र छात्राओं को कबड्डी फुटबॉल सहित समस्त खेलों की बारीकियां बताई गई।

अमरपाटन में पहली बार होंडा की 100 सीसी बाइक पहुंची लोगों में उत्साह देखने को मिला

अमरपाटन@ मैहर

मार्ग एलआईसी कार्यालय के सामने स्थित अभिषेक हौंडा दुपहिया वाहन निमार्ता हौंडा ने सौ सीसी शाइन की वेलकम पार्टी की। यह हौंडा की पहली सौ सीसी की बाइक है। अभिषेक हौंडा के संचालक अभिषेक ताम्रकार ने बताया कि इस बाइक बेहतर माइलेज और आधुनिक टेक्नालॉजी का प्रयोग किया गया है। जिसका शोरूम में शुक्रवार को वेलकम किया गया है। जिसमे हौंडा की पूरी टीम ने ढोल नगाड़ों के साथ वेलकम किया। इस दौरान जमकर आतिशबाजी हुई वेलकम कार्यक्रम में अभिषेक ताम्रकार, निशांत ताम्रकार, अभिषेक निगम अमरपाटन तथा स्थानीय लोग मौजूद रहे।

कोलगवां पुलिस ने 02 माह से फरार, अडीबाजी के तीन आरोपी गिरफ्तार

श्रीधर सिंह ◈ सतना

पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता के कुशल निर्देशन एवं सीएसपी महेन्द्र सिंह चौहान के मार्गदर्शन पर मिली कामयाबी

घटना विवरण- दिनांक 15.03.2023 को फरियादी मंग्लेश्वर व्दिवेदी पिता राजेश्वर प्रसाद व्दिवेदी 25 वर्ष निवासी सर्किट हाउस के पास बम्हनगवां थाना सिटी कोतवाली जिला सतना ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि मैं सर्किट हाउस नगर निगम सतना के पास डी.एस.ए (लोन रिकवरी) का आफिस चलाता हूँ। एक दिन हर्ष प्रताप सिहं पिता रामराज सिहं निवासी घूरडांग थाना कोलगवां जिला सतना का मेरे आफिस आया और बोला कि भइय्या मुझे नौकरी की जरुरत है। तब मैने उसको दिनांक 01/03/2023 को नौकरी में रख लिया मैने उसे लोन और रिकवरी का काम दे दिया । फिर मैं दिनांक 06/03/2023 को दोपहर 02.00 बजे हर्ष प्रताप सिहं को रिकरवरी एवं लोन का पैसा लेने के लिये मारुति नगर सतना भेजा था जो मुझे फोन करके बताया की भइय्या मैं रिकवरी एवं लोन का कैश लेकर मैं अपने पेटीएम में डाल लिया हूँ । कुछ देर से आता हूँ । रात्रि करीबन 10.00 बजे तक हर्ष आफिस नही आया तब मैं हर्ष के को फोन किया तो हर्ष बोला भइय्या मैं घर आ गया हूँ । सुबह आफिस आऊँगा तो रिकवरी व लोन का पैसा आपको दे दूँगा दिनांक 07/03/2023 को हर्ष आफिस नही आया तब मैं शाम को फोन किया तो हर्ष बोला मैं अपने पापा के काम से मुंबई आ गया हूँ। एक हप्ते में आ जाऊँगा तो आपका पैसा दे दूँगा। फिर आज दिनांक 15/03/2023 को मैं हर्ष के मोबाइल में फोन किया तो बोला आप बिरला के पास आ जाओ अपने पैसे ले जाओ तब मैं शाम करीबन 07.30 बजे अपनी डस्टर क्रमांक टढ 19 उइ 2697 से अपने दो दोस्त को लेकर के साथ गया तो हर्ष अपने दोस्त निखिल सिहं बैस, अभय पाण्डेय, अमन तिवारी के साथ आया और मां बहन की गन्दी गन्दी गाली देते हुये बोला कि मैं तेरा कोई पैसा नही लिया हूँ । अब तू मुझे दारु पीने के लिये पैसा दे तब वह चारो लोग हम तीनो से पैसा मांगने लगे हम लोग पैसा देने से मना किये तो चारो लोग मुझसे लपटकर हांथ मुक्का से मारपीट करने लगा तब अजय जैसवाल, शिब्बू गौतम आकर बीच बचाव किये इतने में हर्ष प्रताप सिहं, निखिल सिहं बैस, अभय पाण्डेय, अमन तिवारी चारो लोग मेरी डस्टर कार में तोड़ फोड़ करने लगे व जान से मारने की धमकी देकर चले गये रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 373/23 धारा 294, 323, 506, 327, 427, 34 ताहि कायम कर विवेचना मे लिया गया विवेचना दौरान आरोपीगण की लगातार पता तलाश जारी है जिनमे आरोपी अमन उर्फ बद्दू तिवारी पिता अशोक तिवारी 22 वर्ष निवासी घूरडांग शारदा कालोनी थाना कोलगवां को दिनांक 27.05.23 को गिरफ्तार कर पेश न्यायालय किया गया जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया था जबकि तीन अन्य आरोपी की पता तलाश जारी थी जिन्हे आज दिनांक 06.06.23 को मुखबिर सूचना पर गिरफ्तार किया जाकर पेश न्यायालय किया गया है ।

सराहनीय भूमिका- आरोपी की गिरफ्तारी मे निरीक्षक सुदीप सोनी थाना प्रभारी कोलगवां, प्रआर कमलाकर सिंह, आर. शिवम तिवारी की सराहनीय भूमिका रही है

सैकड़ों आईएएस लगाए बैठे हैं कलेक्टर बनने की आस

भोपाल। मप्र में सैकड़ों आईएएस ऐसे हैं जो कलेक्टर बनने की आस लगाए हैं, लेकिन उन्हें समय पर कलेक्टरी नहीं मिल पा रही है। जहां अन्य प्रदेशों में 2018-19 बैच के आईएएस को भी कलेक्टर पद मिलने लगा है, वहीं प्रदेश में अभी 2014 बैच के ही अधिकारी कतार में हैं। प्रदेश में वर्तमान में कलेक्टरी वाले आईएएस अधिकारियों की बैच 2009 से 2014 तक को ही देखें तो कलेक्टरी के लिए पात्र अधिकारियों की कुल आईएएस संख्या 157 होती है। इसमें आरआर कैटेगरी (रेगुलर रिक्रूटमेंट यानी जो सीधे यूपीएससी से आते हैं) में 81 तो प्रमोट (जो पीएससी में चयनित होने पर प्रमोशन के बाद आईएएस बनते हैं) में 76 अधिकारी हैं। वहीं जिलों की संख्या की बात करें तो 52 ही हैं। विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) के बाद 33 पदों पर और नए प्रमोटी आईएएस मिलने जा रहे हैं, यानि यह कतार और लंबी होने जा रही है। अब हालत यह हो गई है कि डायरेक्ट आईएएस कैटेगरी वाले अधिकारियों को भी बमुश्किल कलेक्टरी मिल रही है और मिल भी रही है तो एक-दो जिले में लंबी कलेक्टरी कर लें यही बहुत है, जैसे रजनी सिंह को कलेक्टरी मिली और छह माह में हटा दिया गया। ऐसे कई नाम है, जो कलेक्टरी से हटकर वल्लभ भवन, संभागायुक्त कार्यालयों, नगर निगम, जिला पंचायत सीईओ या अन्य विभागों में बैठे हुए हैं। कई नाम है जिन्हें अभी तक कलेक्टरी मिली ही नहीं है, जबकि उन्हीं के बैच के अधिकारियों को आईएएस अवार्ड होने के बाद कलेक्टर पद मिल चुका है। अन्य राज्यों की बात करें तो वहां वहां अब 2018-19 बैच के आईएएस को भी कलेक्टर पद मिलने लगा है. लेकिन साल 2023 में भी अभी आरआर कैटेगरी के 2015 बैच के अधिकारियों को ही कलेक्टर पद नहीं मिला है। यानी उन्हें नौकरी के बाद कलेक्टर बनने में आठ साल का समय लग रहा है। वहीं प्रमोटी आईएएस की बात करें तो यह बहुत लंबा समय है, प्रमोशन के लिए उन्हें औसतन 20 साल का समय लगता है और फिर इसके बाद कलेक्टरी का इंतजार 7 प्रमोटी आईएएस जो एक से ज्यादा जिलों की कलेक्टरी पाते हैं, वह उंगलियों पर गिनने वाले अधिकारी है।

लंबे समय से इंतजार

वर्तमान में साल 2009 से लेकर 2014 तक की बैच के अधिकारियों के पास ही जिलों की कलेक्टरी है। फिलहाल साल 2013 के अधिकारी सबसे ज्यादा जिलों में तैनात है। वहीं अभी 2015 बैच का नंबर शुरू नहीं हुआ है, जो अगली फेरबदल में दिख जाएगा। अब बैच की बात करें तो पहले मुश्किल से आठ से दस अधिकारियों की बैच होती थी, लेकिन अब औसतन 20 से ज्यादा अधिकारियों की हो गई है, वहीं कई बैच तो 30 से ज्यादा अधिकारियों की है। साल 2007 तक आईएएस की बैच मुश्किल से दस अधिकारियों की होती थी ।

रैपिड न्यूज

सहस्त्रबुद्धे ने सीएम शिवराज से की मुलाकात आगामी चुनाव की तैयारियों पर की चर्चा

भोपाल। मध्यप्रदेश में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी ने तैयारियां तेज कर दी है। बीजेपी के वरिष्ठ नेता विनय सहस्त्रबुद्धे ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। दोनों के बीच आगामी विस चुनाव को लेकर मंथन हुआ। विनय सहस्त्रबुद्धे आज रविवार को राजगढ़ जिले के दौरे पर रहेंगे। भाजपा नेता विनय ने सीएम शिवराज से मुलाकात कर आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर मंथन किया। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच 51 प्रतिशत वोट पाने का लक्ष्य, बीजेपी सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं और जीत पर फोकस को लेकर चर्चा हुई।

पीजी की परीक्षा : भोपाल-इंदौर सहित 17 शहरों में परीक्षा केंद्र

भोपाल। कामन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) पीजी की परीक्षा पांच से आठ जून तक दो सत्रों में होगी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने वेबसाइट पर शेड्यूल जारी कर दिया है। अपने पसंदीदा कोर्स में प्रवेश लेने के लिए आठ लाख 76 हजार छात्र-छात्राएं परीक्षा में सम्मिलित होंगे। इसके माध्यम से 195 विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों को प्रवेश मिलेगा। परीक्षार्थियों को इसके नियमों का पालन करना है। सीयूईटी पीजी में एजेंसी ने 157 विषयों के लिए प्रश्नपत्र तैयार कराए हैं। इसके परिणाम के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रवेश मिलेगा। एजेंसी के मुताबिक विद्यार्थी अपना एडमिट कार्ड वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के सीयूईटी चेयरमैन के डा. कन्हैया आहूजा का कहना है कि परीक्षा का परिणाम आने के बाद विश्वविद्यालय सप्ताहभर के भीतर काउंसिलिंग की प्रक्रिया शुरू करेंगे। आवेदन के आधार पर विद्यार्थियों की मेरिट बनाएंगे। वे बताते हैं कि काउंसिलिंग में पंजीयन के लिए विद्यार्थियों को दस से बारह दिन का समय दिया जाएगा। इसके लिए अलग से फीस भरनी होगी। यह राशि विश्वविद्यालय की प्रवेश समिति तय करेगी। इसके लिए दस जून के बाद बैठक रखेंगे। उन्होंने बताया कि जुलाई में काउंसिलिंग का पहला चरण रखा जाएगा।

नहीं तपी रोहिणी पर खूब बरसेगा पानी

भोपाल। मध्यप्रदेश के लोगों के लिए खुशखबरी है। प्रदेश में मानसून इस बार समय पर दस्तक देगा। मानसून करीब 6 जून को केरल पहुंचेगा। मौसम विभाग के अनुसार इस साल मानसून पश्चिमी मध्यप्रदेश से राज्य में दस्तक दे सकता है। हालांकि राज्य के करीब 65 प्रतिशत इलाके में बारिश सामान्य से कम होने का अनुमान जताया जा रहा है। प्रदेश के 33 जिलों में सामान्य से कुछ कम बारिश हो सकती है। अच्छी बात यह है कि इस बार कहीं भी सूखा जैसी स्थिति नहीं बनेगी। इस बार नौतपा में सूरज ज्यादा गर्मी नहीं दिखा पाया। शुक्रवार को नौतपे के नौवें दिन राजधानी भोपाल में अधिकतम तापमान 39.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। शुक्रवार को प्रदेश के कई इलाकों में बारिश भी हुई। सागर और ग्वालियर में बरसात हुई। बुरहानपुर में तो तेज आंधी भी चली। मौसम विभाग के अनुसार एमपी में मानसून 18 जून को आ सकता है। मानसून पश्चिमी क्षेत्र के खरगोन और बुरहानपुर जिले से प्रदेश में प्रवेश करेगा। अच्छी बात यह है कि इस बार कहीं भी सूखा जैसी स्थिति नहीं बनेगी। प्रदेश के 33 जिलों में सामान्य से कुछ कम बारिश हो सकती है। ग्वालियर चंबल संभाग, इंदौर संभाग, रीवा और सागर संभाग में सामान्य से करीब 10 प्रतिशत कम बरसात - मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि ग्वालियर चंबल संभाग, इंदौर संभाग, रीवा और सागर संभाग में सामान्य से करीब 10 प्रतिशत कम बरसात होगी।

4300 स्वसहायता समूह ने 48176 गृहणियों को बनाया आत्मनिर्भर

भोपाल। जिले की ग्राम पंचायतों में अब महिलाएं तेजी से विकास की और बढ़ रहीं हैं। अब वह चूल्हे-चोके और घर गृहस्थी एवं खेत खलिहान तक ही सीमित नहीं हैं।इन्होंने खुद के रोजगार तो स्थापित किए ही हैं साथ ही साथी महिलाओं को भी रोजगार दे रही हैं। उदाहरण बनते जा रहे हैं। इन समूह से जुड़कर 48176 आत्मनिर्भर बनने के साथ ही कीर्तिमान रच रहीं हैं। समूह से जुड़कर आत्मनिर्भर बनीं महिलाओं ने बताया कैसे वह स्वरोजगारी बनीं और अब समाज में सम्मान पा रही हैं। ग्रामीण महिलाओं ने स्वसहायता समूह से जुड़कर अपने कारोबार शुरू किए हैं। इनमें सबसे प्रमुख है दीदी कैफे जो कि जिले में अभी छह अलग-अलग स्थानों संचालित किए जा रहे हैं। शिवराज सिंह चौहान सपत्नीक जायका भी ले चुके हैं।रोजगार मेले में स्वसहायता समूह के स्टाल से होने वाली आमदानी से आर्थिक मजबूती के लिए वरदान साबित हो रहा है। ग्राम पंचायत

इमलिया की रहने वाली धनवंती ने अजीविका मिशन के तहत स्वसहायता समूह से जुड़कर अपना खुद का आचार, पापड़, बड़ी, सेब, नमकिन और चिप्स बनाने का स्वरोजगार शुरू किया है। जिससे वह सालभर में दो से चार लाख रुपये स्वयं कमा लेती हैं। साथ ही समूह से जोड़कर लगभग छह महिलाओं को उन्होंने पांच से छह हजार रुपये तक का रोजगार उपलब्ध कराया है। उनके इस कार्य की शासन द्वारा विभिन्न कार्यक्रम में सरहाना भी की जा चुकी है साथ ही मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उन्हें स्वरोजगार के लिए राशि भी उपलब्ध कराई थी। ग्राम पंचायत मैंडोरा की रहने वाली 36 वर्षीय अनिता ने बताया कि स्वसहायता समूह से जुड़ने से पहले घर का कामकाज और स्वजनों की देखरेख एवं मजदूरी का कार्य करती थीं। आय कम होने से परेशानियों का सामना करना पड़ता था। दिसंबर 2017 से अजीविका मिशन से जुड़ने के बाद पहले सब्जी बेचने का काम शुरू किया। इसके बाद भैस खरीदकर दूध का धंधा शुरू किया और मिशन में सामुदायिक संस्थागत विकास के तहत समूह संगठन के काम किए। जिससे आय में वृद्धि हुई है।इससे अब मैं पहले की अपेक्षा अब अच्छे से परिवार का भरण पोषण कर पा रही हूं और आत्मनिर्भर होकर अपनी एक अलग पहचान बना ली है। ग्राम जगदीशपुर निवासी उषा मांझी एवं मनीषा मांझी ने स्वसहायता समूह से जुड़कर टैक्स वसूली का काम शुरू किया था। इससे उन्होंने 2 लाख 12 हजार 321 रुपये की वसूली की जिससे उन्हें 21 हजार 232 रुपये की कमाई हुई। जिससे पहले वह कुछ नहीं करती थीं उनके पति ही काम करते थे और मुश्किल से चार हजार रुपये आय होती थी।जिससे घर का खर्च चला पाना मुश्किल हो जाता था। स्वसहायता समूह से जुड़ने के बाद आय में वृद्धि हुई है साथ ही समाज में मान सम्मान भी मिल रहा है।

मध्य प्रदेश में खराब सड़कों के लिए अब ठेकेदार के साथ इंजीनियर भी होंगे जिम्मेदार

भोपाल। मध्य प्रदेश में बनने वाली सड़कों की गुणवत्ता खराब होने पर ठेकेदार के साथ-साथ संबंधित इंजीनियर भी जिम्मेदार होंगे। मरम्मत के काम को मुख्य अभियंता से लेकर उपयंत्री तक को देखना होगा। इसके लिए साप्ताहिक निरीक्षण का कार्यक्रम बनाकर वरिष्ठ अधिकारियों को भेजना होगा ताकि उसकी निगरानी की जा सके। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने यह व्यवस्था विशेष अभियान के अंतर्गत लागू की है। विभाग के प्रमुख सचिव सुखबीर सिंह ने सभी वरिष्ठ अधिकारियों से कहा है कि वे अधीनस्थों द्वारा किए जा रहे कार्यों पर नजर रखें। पिछले साल अतिवृष्टि के कारण बड़ी संख्या में सड़क, पुल-पुलिया क्षतिग्रस्त हुए थे। इनकी मरम्मत में काफी समय लगा था, इसे लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नाराजगी भी जताई थी। इस बार ऐसी स्थिति न बने, इसलिए पीडब्ल्यूडी ने विशेष निरीक्षण अभियान चलाया है। इसमें उन सड़क, पुल-पुलिया को चिह्नित किया जा रहा है, जिनकी मरम्मत की जानी है। सभी मुख्य अभियंताओं को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, प्रमुख सचिव भी इंजीनियरों की टीम के साथ निरीक्षण कर रहे हैं। साढ़े तीन हजार किमी सड़क की मरम्मत का काम चल रहा है। यह गुणवत्तापूर्ण हो, इसके लिए इंजीनियरों की जिम्मेदारी तय की गई है।

आरजीपीवी ने आठ शिक्षकों को नियम विरुद्ध पीएचडी कराने के लगे आरोप

भोपाल। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) फिर से विवादों में घिर गया है।इस बार आठ शिक्षकों को नियमविरूद्ध पीएचडी कराकर उन्हें करियर एडवांसमेंट स्कीम का लाभ दिलाने का मामला सामने आया है।इस संबंध में तकनीकी शिक्षक संघ ने राज्यपाल और तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव को पत्र लिखकर विवि पर 13 शिक्षकों को नियम विरूद्ध पीएचडी कराने का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की है। तकनीकी शिक्षक संघ ने विवि द्वारा यूजीसी रेगुलेशन 2009 के मापदंड अनुसार पीएचडी नहीं कराई गई और शिक्षकों को करियर एडवांसमेंट स्कीम में पीएचडी डिग्री का अनुचित लाभ दे दिया गया है, जिसकी जांच की जानी चाहिए। पत्र में लिखा है कि आरजीपीवी में करियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत 13 शिक्षकों ने एसोसिएट प्रोफेसर से प्रोफेसर बनने के लिए अपने आवेदन प्रशासन को प्रेषित किए गए हैं। इनमें आठ शिक्षकों के नामों की सूची भी जारी करते हुए कहा गया है कि इन्हें फायदा पहुंचाने के लिए विवि ने राजपत्र में उल्लेखित नियमों का पालन नहीं किया।इस संबंध में विवि प्रशासन आज बैठक आयोजित किया है।इनमें आठ शिक्षकों को पीएचडी का अनुचित लाभ दिए जाने की आशंका व्यक्त की गई है। शिक्षक संघ ने विवि पर नियमों का उल्लंघन कर उपाधि और उसके आधार पर अनोचित लाभ देने के आरोप लगाते हुए कई बिंदुओं पर आधारित एक पत्र लिखा है। पत्र में लिखा है कि सरकार के राजपत्र में प्रकाशित किया गया, जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एमफिल पीएचडी उपाधि के लिए न्यूनतम मानक और प्रक्रिया विनियम 2009 कहा गया था।

मुख्यमंत्री चौहान ने गुरु गोलवलकर जी की पुण्य-तिथि पर किया नमन

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरु गोलवलकर जी की पुण्य-तिथि पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास कार्यालय स्थित सभागार में गुरु गोलवलकर जी के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। महाराष्ट्र के रामटेक में 19 फरवरी 1906 को जन्मे श्री माधव सदाशिवराव गोलवलकर ने डॉ. हेडगेवार के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक की जिम्मेदारी संभाली। उनका रूझान राष्ट्र संगठन कार्य की ओर प्रारंभ से ही रहा। स्वामी विवेकानंद के तत्व-ज्ञान और कार्य पद्धति से वे बहुत प्रभावित रहे। सक्षम भारत के निर्माण के लिए गुरू गोलवलकर ने अनेक कार्य क्षेत्र में योगदान दिया। गुरू गोलवलकर का अवसान 05 जून 1973 को नागपुर में हुआ।

सीधी के संजय टाइगर रिजर्व भेजे गए 13 बायसन

भोपाल नप्र। प्रदेश के मंडला जिले में स्थित कान्हा टाइगर रिजर्व से तीन खेप में कुल 13 बायसन को संजय टाइगर रिजर्व भेज दिया गया है। पहली खेप में 1 जून को चार बायसन संजय टाइगर रिजर्व के लिए रवाना किए गए। चार बायसन संजय टाइगर के लिए रवाना किए गए इनमें दो नर एवं मादा गौर शामिल रहे। दूसरी खेप 2 जून को रवाना की गई। इसमें पांच मादा एवं एक नर कुल छह बायसन (गौर) संजय टाईगर रिजर्व के लिए विशेष रूप से वन्यप्राणी परिवहन वाहन से रवाना किया गया। तीसरी खेप शनिवार तीन जून को रवाना की गई। इसमें तीन मादा गौर संजय टाईगर रिजर्व के लिए विशेष रूप से बनाए गए वन्यप्राणी परिवहन वाहन से रवाना किया गया। विशेषज्ञों की उपस्थिति में वन विभाग ने कार्यवाही कर के तीसरे दिन तक कुल 13 गौर सफलतापूर्वक भेजे जा चुके है। कान्हा टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर एसके सिंह ने बताया कि इस एक सप्ताह में कान्हा से 35 बायसन को संजय टाइगर रिजर्व में पुर्नस्थापित किया जाना प्रस्तावित

विशेषज्ञों के देखरेख में कान्हा से तीन खेप में पहुंचाए गए

किया गया है। कान्हा टाइगर रिजर्व से संजय टाइगर रिजर्व में बायसन के ट्रांसलोकेशन की योजना वर्ष 2021 में भारत सरकार वन एवं पर्यावरण मंत्रालय से स्वीकृत की गई थी। इस योजना को मध्यप्रदेश शासन वन विभाग के पहल पर भारतीय वन्यजीव संस्थान देहरादून ने तैयार किया है। इसके पूर्व वर्ष 2011-12 में कान्हा टाईगर रिजर्व से 50 गौर का प्रत्यास्थापन बांधवगढ टाईगर रिजर्व, उमरिया में सफलतापूर्वक किया गया, वहाँ लगभग 150 गौर की संख्या है। इस कार्यवाही में मध्यप्रदेश वन विभाग के पुनीत गोयल, भा.व.से., उप संचालक कान्हा टाईगर रिजर्व एवं संजय टाईगर रिजर्व के अधिकारियों/कर्मचारियों के अतिरिक्त भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून के प्रोजेक्ट इन्चार्ज डॉ. पराग निगम तथा उनके सहयोगी तथा मध्यप्रदेश वन्यप्राणी स्वास्थ्य एवं फॉरेंसिक संस्थान, जबलपुर की शोभा जावरे के नेतृत्व में टीम संलग्न थी।

सिंधी मेले का समापन: राजधानी भोपाल में महकी सिंधी पकवानों की खूशबू

भोपाल। सिंधी जायकों की महक और परंपरा का रंग लिए शहर में दो दिवसीय सिंधी मेला का समापन किया गया। इस मेले में सिंधी समाज के अपनेपन की सुगंध भी थी और संस्कृति व परंपरा को बचाए रखने की सुंदर कोशिश भी। यह कोशिश केवल पारंपरिक व्यंजनों तक ही सीमित नहीं थी, बल्कि गीत-संगीत के साथ साहित्य और प्रदर्शनी के रूप में भी की जा रही थी। इस मेले के अंतिम दिन हजारो की संख्या में सिंधी भाषी लोग पहुंचे। मेले में नागपुर की सिंगर दृष्टि कुकरेजा, संत हिरदाराम नगर के नरेश गिदवानी ने सिंधी गीतों की ऐसी महफिल जमाई कि जो इंसान जिस जगह पर खड़ा वो वही झूमने पर मजबूर हो गया, साथ ही मेले के अंतिम दिन लोगों का उत्साह चरम पर दिखा, पूरा वातावरण सिन्धियत के समावेश में समा हुआ दिखाई दे रहा था। सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी ने बताया कि अंतिम दिन 51 भोपाल के समाजसेवियो का सम्मान किया जिन्होंने 31 मार्च को शहीद हेमू कालानी जन्म शताब्दी समारोह के सफल कार्यक्रम में विशेष भूमिका निभाई थी। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी एवं मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष मनोहर ममतानी सहित अनेक गणमान्य नागरिक शामिल हुए। भोपाल महापौर मालती राय, भी उपस्थित रही।

सिंगापुर ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे सिंधु, प्रणय

सिंगापुर । गत चैंपियन पीवी सिंधु और एचएस प्रणय सिंगापुर ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे। सिंधु जहां थाईलैंड में खराब प्रदर्शन के बाद वापसी करना चाहेंगी, वहीं फार्म में चल रहे प्रणय आत्मविश्वास से लबरेज होंगे। सिंधु के लिए चीजें पहले जैसी नहीं रही हैं क्योंकि उन्हें पिछले साल अगस्त में टखने में चोट लगी थी। वह धीरे-धीरे मैड्रिड स्पेन मास्टर्स और मलेशिया मास्टर्स में फाइनल और सेमी-फाइनल के साथ अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर वापस आ रही है, जो इस सीजन में उनका सर्वश्रेष्ठ परिणाम है। सिंगापुर ओपन के पहले दौर में सिंधु का सामना जापान की दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी अकाने यामागुची से होगा, जिनके खिलाफ सिंधु का प्रदर्शन कुछ खास नहीं है। सिंधु का यामागुची के खिलाफ 14-9 का हेड-टू-हेड जीत का रिकॉर्ड है, लेकिन पिछले साल थाईलैंड में दोनों के आमने-सामने होने के बाद से बहुत कुछ बदल गया है और अब सिंधु को यामागुची के खिलाफ कुछ बेहतर करना होगा। दूसरी ओर, प्रणय छह साल के खिताबी सूखे को खत्म करते हुए मलेशिया मास्टर्स में अपना पहला बीडब्ल्यूएफ खिताब जीतने के बाद टूनार्मेंट में उतर रहे हैं। इस मनोबल बढ़ाने वाली जीत ने प्रणय के लिए भूख बढ़ा दी होगी, जो इस समय भारत के सबसे बेहतरीन एकल खिलाड़ी हैं। हालाँकि, चीजें उसके लिए आसान नहीं होंगी क्योंकि वह सर्किट में सबसे रोमांचक प्रतिभाओं में से एक - जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त कोडाई नारोका के खिलाफ पहला मैच खेलेंगे। थाईलैंड में सेमीफाइनल तक पहुंचने वाले लक्ष्य सेन भी मुख्य ड्रॉ में पहुंचने की उम्मीद कर रहे होंगे लेकिन चीनी ताइपे के पांचवें वरीय चाउ टिएन चेन उनके सामने बड़ी चुनौती होंगे। 2021 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता किदांबी श्रीकांत अपने शुरूआती दौर में थाईलैंड के कांटाफॉन वांगचारोएन से भिड़ेंगे, जबकि ऑरलियन्स मास्टर्स के विजेता प्रियांशु राजावत का सामना जापान के कांता सुनेयामा से होगा। महिला एकल में लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल थाईलैंड की रातचानोक इंतानोन से भिड़ेंगी, इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अतीत में इस भारतीय को काफी सफलता मिली थी। लेकिन चोटों और उम्र का साइना पर असर पड़ा है और वह पिछले दो मौकों में पूर्व थाई विश्व चैंपियन से आगे नहीं निकल पाई हैं।

पुरुष युगल में, दुनिया के नंबर 4 चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी, जिन्होंने पिछले साल फ्रेंच ओपन सुपर 750 जीता था, जापान के अकीरा कोगा और ताइची सैटो के खिलाफ शुरूआत करेंगे, जबकि एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला फ्रांस की लुकास कोर्वी और रोनन लबार के खिलाफ उतरेंगे। महिला युगल जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद का सामना पहले दौर में हांगकांग की युंग नगा टिंग और युंग पुई लाम से होगा।

WTC फाइनल से पहले कोहली बोले:ऑस्ट्रेलिया अब टीम इंडिया को हल्के में नहीं लेता

नई दिल्ली। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल से पहले टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा, भारतीय टेस्ट टीम ने ऑस्ट्रेलिया को उसकी ही सरजमीं पर दो बार हराकर सम्मान हासिल कर लिया है, अब टीम इंडिया को एक टेस्ट टीम के रूप में हमें हल्के में नहीं लिया जा सकता।' कोहली ने एक स्पोर्ट्स चैनल से कहा, शुरूआत में प्रतिद्वंद्विता काफी कड़ी थी, माहौल भी काफी तनावपूर्ण हुआ करता था। लेकिन जब से हमने ऑस्ट्रेलिया में दो बार जीत हासिल की है, प्रतिद्वंद्विता सम्मान में बदल गई है और अब हमें एक टेस्ट टीम के रूप में हल्के में नहीं लिया जाता है।' उन्होंने आगे कहा, 'हम उस सम्मान को महसूस कर सकते हैं जब हम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलते हैं कि हमें उन्हें उनकी सरजमीं पर लगातार दो बार हराया है और यह बराबरी की लड़ाई होगी।' भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बुधवार से द ओवल में WTC फाइनल खेला जाएगा। भारत ने इसी साल मार्च में खेले गए बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेरा मोटिवेशन बढ़ जाता है- कोहली : कोहली ने कहा, 'मैं उस मानसिकता को समझता हूं कि सभी 11 खिलाड़ियों की सोच एक तरह की है और वे प्रत्येक मौके का फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। इसलिए इस टीम (ऑस्ट्रेलिया) के खिलाफ मेरा मोटिवेशन बढ़ जाता है जो इतनी अवेर और कॉम्पिटिटिव है कि मुझे अपने खेल के स्तर को ऊपर उठाना पड़ता है।'

मुझे लगता है ओवल चुनौतीपूर्ण होगा : भारत के पूर्व कप्तान का मानना है कि WTC फाइनल का नतीजा ओवल में टीमों को परिस्थितियों से तालमेल बिठाने और अपनाने पर निर्भर करेगा। बता दें, ऑस्ट्रेलिया और भारत दोनों का द ओवल में रिकॉर्ड कुछ खास नहीं है। ओवल में ऑस्ट्रेलिया ने अपने 38 टेस्ट मैचों में से सिर्फ सात जीते हैं, वहीं भारत 14 मैचों में सिर्फ दो में जीत हासिल कर पाया है। कोहली ने कहा, मुझे लगता है कि ओवल चुनौतीपूर्ण होगा, हमें सपाट विकेट नहीं मिलेगा और बल्लेबाजों को सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'ओवल में बल्लेबाजी के लिए जाते वक्त आप एक खास तरह की कंडिशन की उम्मीद नहीं कर सकते। इसलिए हमें सामंजस्य और तालमेल बैठाना होगा। दोनों टीम के लिए न्यूट्रल वेन्यू पर यह एक मैच है, जो टीम बेहतर तालमेल बिठाएगी, वही जीतेगी। यही WTC की खूबसूरती है।' WTC के डेब्यू सीजन के फाइनल में भारत को न्यूजीलैंड से हार मिली। टीम इंडिया फाइनल में दो स्पिनरों के साथ खेलकर गलती की थी, जबकि परिस्थितियां तेज गेंदबाजों के अनुकूल थीं।

रेपिड न्यूज

डब्ल्यूटीसी फाइनल रहाणे के लिए एक बेहतरीन अवसर : संजय मांजरेकर

नई दिल्ली। लंदन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल से पहले, भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने अजिंक्य रहाणे का समर्थन करते हुए कहा कि डब्ल्यूटीसी फाइनल उनके लिए खुद को साबित करने का एक बेहतरीन अवसर है। रहाणे 18-19 महीनों के बाद भारतीय टीम में वापसी कर रहे हैं। भारत 7 जून से द ओवल में आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा। स्टार स्पोर्ट्स पर विशेष रूप से बात करते हुए, मांजरेकर ने कहा, ₹रहाणे पिछली बार जबरदस्त दबाव में थे जब वह भारत के लिए खेल रहे थे। यह एक कठिन समय है। जब कोई बल्लेबाज बल्लेबाजी के लिए जाता है, तो यह सोचकर कि यह उसके टेस्ट करियर की आखिरी पारी हो सकती है। यह एक कठिन जगह है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि वह अब उस स्थिति में होंगे क्योंकि उन्होंने टेस्ट क्रिकेट के बाद का जीवन देखा है, लगभग एक सेवानिवृत्त क्रिकेटर की तरह। अब, उन्हें अवसर मिल गया है, मुझे लगता है कि उनका दिमाग काफी मुक्त होगा। लोग सोच सकते हैं कि उनके आईपीएल फॉर्म ने उनके चयन और वापसी में योगदान दिया है।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल: ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होंगे स्कॉट बोलैंड

लंदन। दाएं हाथ के मध्यम तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड को भारत के खिलाफ बुधवार से लंदन के ओवल में शुरू हो रहे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए ऑस्ट्रेलियाई प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया है। बोलैंड चोटिल जोश हेजलवुड की जगह लेंगे। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने पुष्टि की है कि स्कॉट को अंतिम इलेवन में माइकल नेसर पर वरीयता दी जाएगी। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू ने कमिंस के हवाले से कहा, स्कॉट हर किसी को थोड़ा अलग तरीके से गेंदबाजी करते हैं, वह एक अच्छी लेंथ पर गेंदबाजी करने वाले तेज गेंदबाज है, वह हेजलवुड से थोड़ा अलग हैं, इसलिए उन्हें प्लेइंग इलेवन में मौका दिया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया 7 जून से द ओवल में आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में भारत का सामना करेगा और इसके बाद, वे 16 जून से अपनी एशेज श्रृंखला की शुरूआत करेंगे। 34 वर्षीय बोलैंड ने 2021 में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार शुरूआत के बाद से सात टेस्ट मैचों में 28 विकेट लिए हैं और अब भारत के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के लिए एक महत्वपूर्ण कारक साबित होंगे। हालांकि बोलैंड ने अभी तक इंग्लैंड की परिस्थितियों में एक भी टेस्ट नहीं खेला है और नागपुर में भारत के खिलाफ टेस्ट मैच में उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था। इससे पहले, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने माइकल नेसर को जोश हेजलवुड के प्रतिस्थापन के रूप में घोषित किया था, जो चोट के कारण भारत के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल से बाहर हो गए थे।

आईएसएसएफ: धनुष श्रीकांत ने जूनियर विश्व कप में भारत को दिलाया तीसरा स्वर्ण पदक

नई दिल्ली । धनुष श्रीकांत ने सुहल, जर्मनी में चल रहे अंतरराष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) जूनियर विश्व कप के तीसरे दिन सोमवार को पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीता। यह प्रतियोगिता में भारत का तीसरा स्वर्ण है। धनुष ने 24 शॉट के फाइनल में 249.4 अंक बनाकर रजत पदक विजेता स्वीडन पोंटस कालिन को पीछे छोड़ दिया। फ्रांस के रोमैन औफ्रेरे ने कांस्य पदक जीता। भारत ने स्कीट मिक्स्ड टीम प्रतियोगिता में भी कांस्य पदक जीता, जब हरमेहर लैली और संजना सूद ने स्वीडिश विरोधियों, डेविड जोंसन और फेलिशिया रोस की जोड़ी को हराया। भारत अब तीन स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदकों के साथ पदक तालिका में सबसे आगे है, अब तक दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीतने वाला संयुक्त राज्य अमेरिका दूसरे स्थान पर है। तीन भारतीयों ने जूनियर पुरुष 10 मीटर एयर राइफल के फाइनल में जगह बनाई। धनुष के अलावा, जिन्होंने 628.4 के स्कोर के साथ छठा स्थान हासिल किया, प्रथम भड़ाना 628.7 के स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर रहे। रविवार को एयर राइफल मिक्स्ड टीम गोल्ड जीतने वाले अभिनव शॉ भी 626.7 के स्कोर के साथ आठवें और अंतिम स्थान पर रहे।

एडिडास और बीसीसीआई ने नई भारतीय क्रिकेट टीम जर्सी का किया अनावरण

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के आधिकारिक किट प्रायोजक एडिडास ने मंगलवार को खेल के सभी 3 प्रारूपों में पहनी जाने वाली राष्ट्रीय टीम की नई जर्सी का अनावरण किया है। नई किट को आगामी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम द्वारा पहली बार पहना जाएगा। इसके बाद आगामी एकदिनी, टी-20 और टेस्ट फिक्स्चर में पुरुष, महिला और युवा टीमों द्वारा नई जर्सी का उपयोग किया जाएगा। हाल ही में एक घोषणा में एडिडास ने भारतीय क्रिकेट में एक नए युग को चिह्नित करते हुए बीसीसीआई के साथ अपनी साझेदारी की पुष्टि की। भारतीय पुरुषों, महिलाओं और अंडर-19 टीमों के लिए जर्सी, किट और अन्य वस्तुओं के डिजाइन और निर्माण के विशेष अधिकारों के साथ, नई साझेदारी एडिडास को अपने अभिनव डिजाइन और विशेषज्ञता को क्रिकेट के सबसे बड़े मंच पर लाने का अवसर देती है। प्रतिष्ठित टीम इंडिया की जर्सी भारत की समृद्ध विरासत और शिल्प कौशल को प्रदर्शित करती है। नई ओडीआई जर्सी भारत के राष्ट्रीय पशु - बाघ की शक्ति और निर्विवाद ताकत का प्रतिनिधित्व करती है। कपड़े को सजाने वाली जटिल डिजाइन को पारंपरिक इकत पैटर्न का उपयोग करके बुना गया है, जो बाघ की धारियों को जीवंत करता है और भारतीय क्रिकेट की आभा को दर्शाता है।

पहली बार, भारतीय क्रिकेट टीम द्वारा पहनी जाने वाली असली टी20, टेस्ट और वनडे जर्सी को 100% रिसाइकिल सामग्री से बनाया गया है। इसमें एडिडास का हिट ड्राई नमूना भी शामिल है, जो- एक हल्का कपड़ा होता है और खिलाड़ियों को ठंडा रखने के लिए हवा के प्रवाह को अधिकतम करता है। साझेदारी और प्रतिष्ठित टीम इंडिया की जर्सी पर एडिडास इंडिया के महाप्रबंधक नीलेंद्र सिंह ने कहा, ₹बीसीसीआई के साथ हमारी साझेदारी हमारे मजबूत मूल विश्वास का प्रमाण है, जो 'असंभव कुछ भी नहीं है' पर आधारित है। हमें भारतीय क्रिकेट टीम की नई जर्सी पेश करने पर गर्व है। हम हमारे खिलाड़ियों को 3 स्ट्राइप्स में आइकोनिक मोमेंट्स बनाते देखने के लिए उत्सुक हैं। बीसीसीआई के साथ हमारी साझेदारी के माध्यम से, हम सभी क्रिकेट प्रशंसकों को अपनी प्रिय टीम के रंग में गर्व से प्रवेश करने का अवसर प्रदान करने के लिए तत्पर हैं। हमारा उद्देश्य भारत में जर्सी संस्कृति के परिदृश्य को फिर से परिभाषित करना है।

महिला जूनियर हॉकी एशिया कप : भारत ने कोरिया के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला

नई दिल्ली । भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने मंगलवार को जापान के काकामीगहारा में चल रहे महिला जूनियर एशिया कप 2023 के अपने तीसरे मैच में कोरिया के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला। मैच में कोरिया के लिए युजिन ली (15') और जियोन चोई (30') ने गोल किया, जबकि भारत के लिए दीपिका सोरेंग (43') और दीपिका (54') ने एक-एक गोल किया। इस ड्रॉ के साथ ही भारतीय टीम महिला जूनियर एशिया कप 2023 में पूल ए में शीर्ष पर बनी हुई है। कोरिया ने मैच में तेज शुरूआत की और पहले क्वार्टर में भारतीय टीम पर हावी रही। कोरियाई टीम ने पहले क्वार्टर में कुछ पेनल्टी कार्नर जीते लेकिन उन्हें गोल में बदलने में सफल नहीं हो सकी। हालांकि, मैच के 15वें मिनट में युजिन ली ने डी के अंदर से बेहतरीन मैदानी गोल कर अपनी टीम को 1-0 से आगे कर दिया। कोरिया ने 1-0 की बढ़त के साथ दूसरे क्वार्टर में आक्रामक रुख के साथ प्रवेश किया और भारतीय टीम पर दबाव बनाए रखा। मध्यांतर से कुछ मिनट पहले, भारत ने पलटवार करके कोरिया पर दबाव बनाना शुरू किया, लेकिन वे बराबरी करने में असमर्थ रहे। इस बीच, कोरिया ने गियर बदल दिया और अधिक आक्रामक तरीके से खेलना शुरू कर दिया, जिसका फायदा भी उन्हें मिला। मैच के 30वें मिनट में जियोन चोई ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर कोरिया की बढ़त 2-0 कर दी। मध्यांतर तक कोरियाई टीम 2-0 से आगे रही। तीसरे क्वार्टर की शुरूआत कोरिया द्वारा फिर से हमला करने और शुरूआती पेनल्टी कॉर्नर जीतने के साथ हुई, जिसे भारत की गोलकीपर अदिति माहेश्वरी ने बचा लिया। इस बीच, भारत ने अपने खेल में सुधार किया और कोरिया की बैकलाइन को विभाजित करना शुरू कर दिया, जिसका फायदा भी भारतीय टीम को जल्द मिला और 43वें मिनट में दीपिका सोरेंग ने गोल कर भारत का खाता खोला और स्कोर 2-1 हो गया। मैच के 54वें मिनट में दीपिका ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को 2-2 से बराबरी दिला दी और अंत में यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम 8 जून को अपने चौथे और आखिरी पूल ए गेम में चीनी ताइपे से भिड़ेगी। यह मुकाबला दिन में 12:30 बजे से शुरू होगा।

व्यापार

ट्विटर सीईओ का पद संभालेंगी लिंडा याकारिनो

सैन फ्रांसिस्को । लिंडा याकारिनो सोमवार से नए ट्विटर CEO के रूप में कार्यभार संभालेंगी। NBC यूनिवर्सल में ग्लोबल ऐडवरटाइजिंग एंड पार्टनरशिप की चेयरमैन रहीं याकारिनो ने ट्विटर पर उनके साथ काम करने के लिए NBC यूनिवर्सल के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट जो बेनारोच को भी हायर किया है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, बेनारोच याकारिनो के भरोसेमंद सलाहकार रहे हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल के देखे गए मेमो में बेनारोच ने लिखा कि ट्विटर में उनका रोल बिजनेस ऑपरेशन्स पर फोकस करना होगा। उन्होंने कहा, 'मैं अपने अनुभव को ट्विटर पर लाने और ट्विटर 2.0 को बनाने के लिए पूरी टीम के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।' याकारिनो ने पिछले महीने कहा था कि वह ट्विटर 2.0 बनाने और मस्क के साथ मिलकर बिजनेस को ट्रांसफॉर्म के लिए तैयार हैं। ट्विटर के मालिक एलन मस्क ने पिछले महीने नए CEO की जानकारी देते हुए लिखा था लिखा, 'मैं ट्विटर के नए उएड के रूप में लिंडा याकारिनो का स्वागत करने के लिए उत्साहित हूं! लिंडा मुख्य रूप से बिजनेस ऑपरेशन्स पर फोकस करेंगी, जबकि मैं प्रोडक्ट डिजाइन और नई टेक्नोलॉजी पर ध्यान केंद्रित करूंगा।' 59 साल की लिंडा ठइउ यूनिवर्सल मीडिया LLC में ग्लोबल ऐडवर्टाइजिंग एंड पार्टनरशिप्स की चेयरमैन हैं। 2011 में NBC यूनिवर्सल मीडिया से जुड़ने के बाद उन्होंने कंपनी के लिए वन प्लेटफॉर्म क्रिएट किया था। वन प्लेटफॉर्म ने प्रीमियम वीडियो ईकोसिस्टम को बदल दिया। ये प्लेटफॉर्म ऐडवर्टाइजर्स को सभी स्क्रीन और फॉर्मेट में ऑडियंस तक रीच करने में मदद करता है। एपल, गूगल जैसे ब्रांड्स के साथ कॉमर्शियल पार्टनरशिप के लिए भी लिंडा जानी जाती हैं। वहीं फॉर्च्यून, फोर्ब्स जैसे पब्लिकेशन उन्हें प्रभावशाली और शक्तिशाली महिला चुन चुके हैं। लिंडा के एजुकेशन की बात करें तो उनके पास पेन स्टेट यूनिवर्सिटी से लिबरल आर्ट्स में डिग्री हैं। लिंडा की शादी क्लाउड पीटर माद्राजो से हुई है। दोनों इटैलियन मूल के हैं और न्यूयॉर्क में रहते हैं।

आरबीआई की एमपीसी बैठक शुरू, 8 जून को आएगा रेपो रेट पर फैसला

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की द्विमासिक तीन दिवसीय समीक्षा बैठक यहां मंगलवार को शुरू हो गई है। वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी द्विमासिक एमपीसी बैठक 6 से 8 जून तक चलेगी। इस बैठक के फैसलों का ऐलान 8 जून को किया जाएगा। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की यह बैठक प्रत्येक दो महीने के अंतराल पर होती है। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में हो रही इस बैठक में नीतिगत ब्याज दरों में बदलाव पर चर्चा की जाएगी। रिजर्व बैंक ने अप्रैल महीने में हुई पिछली बैठक में रेपो रेट में बदलाव नहीं किया था। आरबीआई गवर्नर ने उस समय कहा था कि ये फैसला इस मीटिंग के लिए लिया गया है लेकिन जरूरत पड़ने पर इसे फिर से बढ़ाया भी जा सकता है। हालांकि, जानकारों का कहना है कि आरबीआई के पूर्व में नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में की गई बढ़ोतरी का असर दिखने लगा है। खुदरा महंगाई दर अप्रैल में घटकर रिजर्व बैंक के संतोषजनक दायरे 4.7 फीसदी पर आ गया है। ऐसे में एमपीसी की समीक्षा बैठक में इस बार भी नीतिगत दर में बदलाव की गुंजाइश कम दिख रही है। रिजर्व बैंक रेपो रेट को 6.5 फीसदी पर यथावत रख सकता है। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने पिछली बार अप्रैल में एमपीसी की बैठक में नीतिगत ब्याज दर में इजाफा रोक दिया था, जो 6.5 फीसदी पर है। इससे पहले महंगाई पर लगाम लगाने के लिए रिजर्व बैंक की ओर से मई, 2022 के बाद से लगातार रेपो रेट में 2.5 फीसदी तक बढ़ोतरी की गई थी। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 3,840 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,173 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,489 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 178 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए।

मतदाता सूची संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य को बीएलओ गंभीरता से करें-कलेक्टर

विधानसभावार बीएलओ बैठक कर कलेक्टर ने डोर-टू-डोर सर्वे के संबंध में दिए निर्देश

फतवा समाचार ◈ अनूपपुर

भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार मतदाता सूची का संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा है। जिसके तहत पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने, मृत या स्थानांतरित मतदाताओं के मतदाता सूची से नाम हटाने तथा संशोधन के अपडेशन का कार्य किया जा रहा है। यह कार्य बीएलओ गंभीरता से सुनिश्चित करें। उक्ताशय के निर्देश जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर श्री आशीष वशिष्ठ ने विधानसभा क्षेत्र अनूपपुर, कोतमा एवं पुष्पराजगढ़ में अलग-अलग बीएलओ की बैठक लेकर कार्यों की समीक्षा के दौरान दिए। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर श्री दीपक पाण्डेय सहित संबंधित क्षेत्र के रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सहित बीएलओ उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री आशीष वशिष्?ठ ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्षों के अनुरूप निर्वाचक नामावली में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्य, डोर-टू-डोर सर्वे कर सतर्कता और गंभीरता से किया जाए। उन्होंने बीएलओ को निर्देशित किया कि एक सप्ताह मेहनत करके मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने के लिए मैदानी क्षेत्र के वास्तविक डाटा का संग्रहण किया जाए। उन्होंने डोर-टू-डोर सर्वे में स्थानीय लोगों से सहयोग लेने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एक सप्ताह के उपरांत मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण के तहत कार्य की बीएलओवार विस्तृत समीक्षा की जाएगी। कार्य में लापरवाही या शिथिलता मिलने पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एसडीएम द्वारा बैठक कर दिए गए निर्देश के अनुरूप कार्य नही करने पर नाराजगी जताई।

बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर श्री दीपक पाण्डेय ने मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण के तहत बीएलओ द्वारा डोर-टू-डोर सर्वे 25 मई से 23 जून 2023, मतदान केन्द्रों का युक्तियुक्तकरण 24 जून से 24 जुलाई 2023, प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाषन 02 अगस्त 2023, दावा आपत्ति प्राप्त करना 02 अगस्त से 31 अगस्त 2023, दावा आपत्ति का निराकरण 22 सितम्बर 2023, मतदाता सूची का अंतिम निराकरण 4 अक्टूबर 2023 की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण के विशेष अभियान की तिथियां 12 एवं 13, 19 एवं 20 अगस्त है। उन्होंने बीएलओ को त्रुटिहीन मतदाता सूची बनाने, सभी पात्र मतदाताओं का नाम एक स्थान पर होने, अपात्र निर्वाचक प्रविष्टियां जैसे मृत व्यक्ति, दोहरी प्रविष्टि, अशुद्ध प्रविष्टि न हो। निर्वाचकों की खराब गुणवत्ता वाली फोटो न हो। उन्होंने जेण्डर रेसियो, ईपी रेसियो, दिव्यांग मतदाता, ब्लैक एण्ड व्हाईट फोटोग्राफ, मतदान केन्द्रों की स्थिति तथा बुनियादी आवश्यकताओं के संबंध में किए जाने वाले कार्यों के संबंध में किए जाने वाले आवश्यक कार्यवाही करने के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया।

कालोनियों में पर्याप्त सुविधाएं नहीं बिक रहे महंगे आवास

प्रशासनिक अमला उदासीन, अवैध कालोनियों की जांच जरूरी

फतवा समाचार ◈ शहडोल

भूमि प्लाटिंग कर बिना अनुमति अवैध कालोनियों का निर्माण करने संभाग मुख्यालय में होड़ सी लगी हुई है लेकिन अगर कालोनी की गाइड लाइन के अनुसार जांच की जाए तो इन कालोनियों में सुविधाओं की कमी रहती है। नियमतः आवाजाही के लिए पक्की सडकें, नालियों का निर्माण प्रकाश व्यवस्था तो होनी ही चाहिए एक मनोरंजन पार्क भी होना चाहिए। लेकिन कालोनी के निमार्ता इन सुविधाओं की ओर ध्यान नही देते हैं। सडक व नाली तो बनवा दी जाती है अन्य सुविधाएं उपेक्षित रह जातीं हैं। आवासों की दीवारों व छतों में साल दो साल में ही दरार पड़ जाती है। गैर लायसेंसी कालोनाइजरों की भीड़ बढ़ती जा रही है लेकिन प्रशासन न तो इनकी खोज खबर लेता न इन पर कभी कोई कार्रवाई होती है। यही कारण है कि इनके हौसले बुलंद रहते हैं और कालोनियां खड़ी कर दी जाती हैं। और तो और ग्रामपंचायत क्षेत्रों में भी कालोनियां बनाने की होड़ लग गई है। लेकिन आज तक प्रशासनिक अधिकारियों ने उसकी वैधानिकता की जांच नहीं की है।

शुल्क का भुगतान नहीं : किसी भी बड़े निर्माण कार्य से पूर्व नियमतः सन्निर्माण कर्मकार मण्डल को सूचित कर वहां शुल्क जमा करना पड़ता है। ताकि अगर निर्माण के दौरान घटना हो तो प्रभावितों की मदद की जा सके। लेकिन एप्पल सिटी के निर्माण के दौरान कर्मकार मण्डल को कोई शुल्क जमा नहीं किया गया है। यह एक गंभीर लापरवाही है। अगर जांच हो तो इसमें कालोनाइजर के विरुद्ध दण्डात्मक कार्रवाई भी हो सकती है। ऐसा नहीं है कि कालोनाइजर इन बातों को जानते नहीं है वे जानबूझ कर प्रावधानों का उल्लंघन करते हैं।

न विकास शुल्क न एनओसी : ग्रामपंचायत को कालोनाइजर ने विकास शुल्क का भुगतान नहीं किया है। बिना विकास शुल्क का भुगतान किए ग्राम पंचायत क्षेत्र में निर्माण कराना प्रावधान उल्लंघन के दायरे में आता है। कालोनाइजर ने इसका भी पालन करना और विकास शुल्क करना जरूरी नही समझा है। मुख्य बात यह है कि कालोनाइजर ने ग्राम पंचायत से अनुमति लेना और उसके प्रावधानों का पालन करना जरूरी ही नहीं समझा। इसीलिए उसके पास ग्रामपंचायत से अनापत्ति प्रमाण पत्र भी नहीं मिला है। बिना पंचायत की एनओसी के ही निर्माण कार्य कराया गया है। कालोनी का निर्माण आज भी पंचायत के लिए आपत्तिजनक हो सकता है।

मानक के अनुरूप सुविधा नहीं

कालोनी का निर्माण तो कराया गया लेकिन मानक के अनुरूप सुविधाएं नहीं दी गईं। पार्क का निर्माण, मनोरंजन के लिए मंच, पर्याप्त पक्की नालियों का निर्माण, पर्याप्त चौड़ाई वाली सडकों का निर्माण आदि कार्य अपूर्ण प्रतीत होते हैं। कालोनी की अगर सभी विन्दुओं पर जांच हो तो यह अवैध ही मानी जाएगी। लेकिन हैरानी तो इस बात की है कि यह प्रशासन को दिखाई नहीं पड़ रही है। केवल ग्रामपंचायत स्तर पर ही इसे लेकर कुछ हलचल सी दिखाई पड़ रही है।

लाखों रुपए की क्षति

कालोनाइजर ने कर्मकार मण्डल व ग्रामपंचायतों के शुल्क दबाकर शासन को लाखों रुपए का चूना लगाया है। इसी तरह उसने कई अन्य व्यय भी नहीं किए हैं। कालोनी का निर्माण कराया लेकिन कालोनाइजिंग का लाइसेंस नहीं है। नियमविरुद्ध ढंग से कालोनी का निर्माण कराया गया है। यही नहीं शहर में और भी कई कालोनाइजर पनप रहे हैं जो केवल कालोनी बनवाकर मुनाफा कमा रहे हैं लेकिन उनके पास वैधानिक अधिकार नहीं है। सब केवल चोरी कर रहे हैं।

लाडली बहना के स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरण करने में जन सेवा मित्र ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

फतवा समाचार ◈ उमरिया

कलेक्टर कृष्णदेव त्रिपाठी व मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत इला तिवारी के निर्देशन अनुसार सीएम फैलो रूपल जैन के मार्गदर्शन पर जनसेवा मित्र हिमांशु तिवारी के द्वारा मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना में लाडली बहना के आवेदन भरने में एवं स्वीकृति आदेश पत्र वितरण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसी क्रम में ग्राम पंचायत मुदरिया के पंचायत भवन में उपस्थित सभी बहनों को स्वीकृति पत्र प्रदान किया । उन्होंने कहा कि अपने हाथों से लाडली बहनों को स्वीकृति पत्र देते हुए हाथ में अनुभूति हुई लाडली बहनों ने कहा कि मुख्यमंत्री जन सेवा मित्रों हंसमुख वातावरण बनाकर आवेदन पत्र भरकर आज स्वीकृति प्रमाण पत्र प्रदान किया। इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी का हृदय की गहराई से आभार व्यक्त करते हैं।स्वीकृति प्रमाण पत्र प्रदान करते समय पंचायत मोबिलाइजर लक्ष्मी सिंह, जनसेवा मित्र हिमांशु तिवारी,आगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रमिला सिंह , एवं सभी उपस्थित रहे।

गांजा की तस्करी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार एक आरोपी पुलिस गिरफ्त के बाहर

फतवा समाचार ◈ उमरिया

उमरिया जिले के मानपुर थाना थाना अंतर्गत ग्राम दमना कछुआ के बीच बीते दिनों रविवार को मुखबिर की सूचना पर गांजा तस्करी करने वालों को पुलिस ने घेराबंदी करते हुए धर दबोचा है घटना के संबंध में पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार सिन्हा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि नशे के विरुद्ध बताया कि नशे के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु समस्त थाना एवं चौकी प्रभारियों को निरंतर निर्देशित किया जा रहा है उक्त तारतम्य में पुलिस अधीक्षक उमरिया एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस उमरिया के मार्ग दर्शन में थाना प्रभारी मानपुर पुलिस द्वारा दिनांक 5--6--2023 को मुखबिर के सूचना के आधार पर दो व्यक्तियों को जिनके काले कलर की फैशन मोटरसाइकिल के साथ अवैध मादक पदार्थ ग्राम दमना तरफ से ग्राम कछौवा तरफ लेकर आ रहे थे उक्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए खेल मैदान कछुआ के पास पुलिस के द्वारा घेराबंदी कर दो लोगों को पकड़ा नाम पता पूछने पर मोटरसाइकिल चालक के द्वारा अपना नाम सुखविंदर बैगा पिता रामकुमार बैगा उम्र 18 वर्ष बताई गई पीछे बैठे व्यक्ति द्वारा अपना नाम श्यामलाल बैगा पिता मनीराम बैगा उम्र 45 वर्ष बताया दोनों ग्राम कछुआ थाना मानपुर के निवासी बताए गए हैं एनडीपीएस एक्ट के प्रावधान के तहत कार्यवाही करते हुए आरोपी के पास रखी हुई बोरे की तलाशी ली गई जिसमें खाकी रंग के टेप से लिपटे हुए कुल 40 पैकेट गांजा के पैकेट पाए गए पैकट खोल कर चेक करने पर मादक पदार्थ होने की पुष्टि की गई अवैध मादक पदार्थों का कुल वजन 40 किलो 96 ग्राम मेय पैकेट होना पाया गया दोनों आरोपियों को पुलिस हिरासत में ले लिया गया म मशकी कीमत ?477000 आंकी गई है गांजे के संबंध में दोनों आरोपियों से पूछताछ करने पर बताया कि सरस्वती पटेल निवासी ग्राम कच्छावा के द्वारा इन दोनों आरोपियों से कहा गया था कि तुम लोगों को ग्राम कछुआ जाना है जहां पर सरस्वती पटेल का लड़का लवकेश पटेल मिलेगा और एक बोरी में गाजा देगा उस गाने की बोरी को लेकर के तुम लोगों को ग्राम तथा वहां आना है तब हम दोनों सरस्वती पटेल से उसकी मोटरसाइकिल लेकर के ग्राम धमना गए और जहां लवकेश पटेल हमारा इंतजार कर रहा था अब जब हम पहुंचे तो सफेद रंग की बोरी में हमें यह गाजा लवकेश पटेल ने दिया है और जिसे लेकर के हम सरस्वती पटेल के घर पहुंचाने जा रहे थे के आधार पर पुलिस ने आरोपियों आरोपियों के ऊपर अपराध क्रमांक दो 233 /23 धारा 8.20 एनडीपीएस एक्ट कायम किया गया है। मामले की विवेचना अभी जा रही है मामले में अन्य किसी की संलिप्तता पाए जाने पर उसके विरुद्ध विधि सम्मत कार्यवाही की जाएगी इस संपूर्ण कारवाही में थाना प्रभारी मानपुर श्री सुन्देश सिंह मरावी उपनिरीक्षक भूपेंद्र पंथ सहायक उपनिरीक्षक रामसेवक पटेल आर, पवन भगत आरक्षक अजय जाटव आरक्षक अभिषेक मिश्रा आरक्षक लाल बिहारी साइबरक्राइम के आरक्षक राजेश सिसोदिया एवं संदीप सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर में किया गया वृक्षारोपण

फतवा समाचार ◈ अनूपपुर

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज दिनांक 05.06.2023 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर अनूपपुर में पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री जितेन्द्र सिंह पवांर के द्वारा वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर अति0पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री अभिषेक राजन, एसडीओपी अनूपपुर सुश्री कीर्ति बघेल, रक्षित निरीक्षक अनूपपुर अमिता सिंह एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय का समस्त स्टॉफ उपस्थित रहा। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के द्वारा इस अवसर पर जिले के समस्त थाना प्रभारियों को अत्यधिक संख्या में वृक्षारोपण करने के हेतु निर्देषित किया गया था। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री जितेन्द्र सिंह पवांर के द्वारा उपस्थित पुलिसकर्मियों को अत्यधिक संख्या में वृक्षारोपण कर पर्यावरण की महत्ता के बारे में बताया गया एवं यह भी बताया गया कि वर्तमान समय में मानव जीवन के साथ पर्यावरण का संतुलन अत्यंत महत्वपूर्ण है, हमें पर्यावरण को बचाने के लिए अत्यधिक संख्या में पेड़ लगाना चाहिए। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के द्वारा आमजन से भी अत्यधिक संख्या में वृक्षारोपण करने की अपील की।

जिपं. सीईओ, संयुक्त कलेक्टर सहित अधिकारियों ने सुनी समस्याएं

साप्ताहिक जनसुनवाई में 115 आवेदकों की हुई सुनवाई

फतवा समाचार ◈ अनूपपुर

आम जन की समस्याओं के निराकरण के तहत कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में मंगलवार को साप्ताहिक जनसुनवाई में 115 लोगों ने अपने आवेदन प्रस्तुत किए गए। जनसुनवाई कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभय सिंह ओहरिया, संयुक्त कलेक्टर श्री अजीत तिर्की सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने आवेदकों की समस्याओं को सुना तथा उनके आवेदनों पर आवष्यक कार्यवाही सुनिश्चित की। उल्लेखनीय है कि आम जन की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रत्येक मंगलवार को राज्य शासन के दिशानिदेर्शानुसार कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में जनसुनवाई का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, जिसमें जिलेभर के लोग अपनी समस्याओं को आवेदन के साथ प्रस्तुत करते हैं। जनसुनवाई में मौके पर ही कार्रवाई होने से आम जनों ने सुनवाई के प्रति भरोसा कायम हुआ है आज जनसुनवाई में तहसील पुष्पराजगढ़ के ग्राम बघर्रा निवासी विजय सिंह ने भूमि का सीमांकन एवं नक?शा तरमीम कराए जाने, तहसील अनूपपुर के ग्राम कांसा निवासी समयलाल कोल ने पट्टे की जमीन पर अवैध कब्जा हटवाए जाने, वार्ड नं. 13 पुरानी बस्ती अनूपपुर के राजेश पाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अंतिम किश?त की राशि दिलाए जाने, मौहरी बड़ी दमकी टोला जिला अनूपपुर के सुख निधान साहू ने दबंगों द्वारा बरसात का पानी पाईप के द्वारा रोके जाने, ग्राम पंचायत धनगवां (पश्चिमी) के सरपंच श्री संजय कोल ने धनगवां जल प्रदाय योजना का अधूरा कार्य पूर्ण कराने, नगर परिषद बनगवॉ के अविनाश मोगरे ने दैनिक वेतन भोगी के रूप में सफाई कर्मी के पद पर कार्य कराने, वार्ड क्र. 02 पटौराटोला अनूपपुर निवासी नीतू गुप्ता ने समग्र आईडी में नाम न जुड़ने से लाडली बहना योजना का फार्म नही भरे जाने, ग्राम बघर्रा थाना राजेन्द्रग्राम के बहादुर सिंह ने भूमि विक्रय की शेष राशि दिलाए जाने सहित 115 आवेदन प्रस्तुत किए गए।

छिपाकर रखे 37 टन अवैध कोयले को पुलिस ने किया जब्त

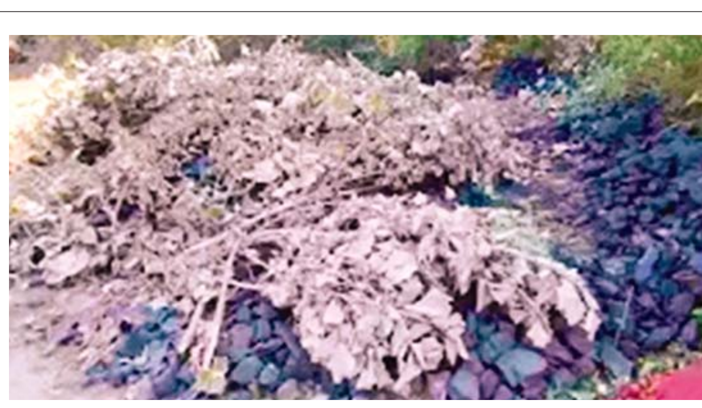

अनूपपुर। अनूपपुर में कोयला खदानों से कोयला चोरी के मामले थम नहीं रहे हैं। ऐसे ही एक चोरी किए गए कई टन कोयला को पुलिस ने जब्त किया है। कोतवाली अनूपपुर क्षेत्र के सीमावर्ती ग्राम खाड़ा में पुलिस ने एक निजी जमीन पर अवैध रूप से संग्रहित कर रखे गए 37 टन कोयला को जब्त किया है। इस मामले में तीन आरोपितों के खिलाफ अपराध भी पंजीबद्ध हुआ है। आरोपितों में ग्राम खाड़ा निवासी राहुल पिता संतोष गोस्वामी 25 वर्ष सुनील पिता रामप्रसाद महरा 22 वर्ष दोनों निवासी ग्राम खाड़ा सहित पुष्पेंद्र सिंह उर्फ रंगा 35 वर्ष निवासी बरबसपुर शामिल हैं। जानकारी अनुसार ग्राम खाड़ा शहडोल जिले के ग्राम रामपुर से जुड़ा हुआ है। रामपुर में कोयले की नई खदान संचालित हो रही है और यहां कोयला का उत्खनन कार्य किया जा रहा है। बताया जा रहा है यही से कोयला चोरी कर गांव में एक स्थान पर भंडारित किया जा रहा था। इस काम में गांव के गरीब वर्ग के लोगों को प्रलोभन देकर कोयला मंगवाया जाता और फिर बड़े वाहनों के जरिए बाहर बेच दिया जाता था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने ग्राम अखाड़ा स्थिति सीताराम होटल के पीछे खाली पड़े एक निजी भूमि पर दबिश दी और दो जगह पर कोयले का ढेर पाया। इस मामले में कोयले के अवैध भंडारण पर कार्रवाई करते हुए राहुल गोस्वामी और सुनील महरा को पकड़ते हुए पूछताछ की गई जहां दोनों लोगों ने ग्रामीणों से कोयला खरीद कर उक्त स्थान पर एकत्रित करना बताया और इस कोयले को बेचे जाने के बारे में बताया कि बरबसपुर निवासी पुष्पेंद्र सिंह उर्फ रंगा को बेचते थे ट्रकों से कोयला बाहर चला जाता था। इस मामले में पुष्पेंद्र की भी पुलिस तलाश कर रही है और दोनों जगह से करीब 37 टन कोयला जब्त किया गया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डल्लू सोनी द्वारा सांई प्रिंटिस म. नं 19 जिंसी जहांगीराबाद, भोपाल,मप्र, मुद्रित एवं मजिस्ट्रेट बंगला वार्ड नं 9 , जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश से प्रकाशित। संवादक-डल्लू सोनी, समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार/न्यायालनी क्षेत्र अधिकार अनूपपुर होगा। मो -9893798715